mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-299 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
31 अक्टूबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पीकेएल सीजन 12...
@ पेज 7

बेंगलुरु- बांग्लादेशी युवक पर मंदिर में अल्लाह-हू-अकबर चिल्लाने का आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के देवरबिसनहल्ली गांव के मंदिर में मूर्ति का अपमान करने के आरोप में बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान मोची कबीर मंडल (45) के रूप में हुई है, आरोप है कि वह अवैध रूप से बेंगलुरु में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह कबीर नशे में मंदिर में घुसा और जूते पहनकर एक मूर्ति को अपमानित किया। स्थानीय लोगों का दावा है कि आरोपी ने 'अल्लाह हू अकबर' के नारे भी लगाए। यह देखकर स्थानीय लोग और मंदिर कर्मचारी भड़क गए। उन्होंने आरोपी को पकड़कर खंभे से बांध दिया और पीटा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया और मामले की जांच जारी है।

बहराइच में 22 लोगों से भरी नाव नदी में पलटी

1 की मौत, 8 बह गए; रातभर परिजन रोते-बिलखते रहे

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में नाव हादसे में अभी तक 8 लोग लापता हैं। 14 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। SSB, SDRF-NDRF और गोताखोरों की 50 सदस्यीय टीम 5 किमी एरिया में सर्च ऑपरेशन चला रही है। टीम पूरी रात लोगों को खोजती रही। लापता लोगों के घरवाले भी रातभर नदी किनारे बैठे रहे। वे लगातार रोए जा रहे हैं।

देर रात कमिश्नर और आईजी भी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। बुधवार शाम घटना कतर्नियाघाट वन्यजीव रेंज के भरथापुर गांव में कौड़ियाला नदी में हुई। यहां के लोग बाजार से खरीदारी करके लौट रहे थे। नाव में 22 लोग सवार थे, जिनमें 5 बच्चे भी थे। गांव वालों ने बताया- चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के गेट खोले गए थे, जिससे नदी का बहाव तेज था। बीच मझधार में नाव पेड़ की टहनी से टकरा गई। इसके बाद नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के बाद 5 लोग तैरकर बाहर निकल आए।

गोरखपुर में ममता कुलकर्णी बोलीं- दाऊद आतंकी नहीं

मुंबई ब्लास्ट नहीं करवाया, मैं उससे कभी नहीं मिली

गोरखपुर, एजेंसी। एक्ट्रेस से साध्वी बनीं ममता कुलकर्णी फिर सुर्खियों में हैं। गोरखपुर में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर उन्होंने कहा, उसने कोई बम ब्लास्ट नहीं किया, वह आतंकी नहीं है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह दाऊद से कभी नहीं मिलीं। कहा, मैं आज पूरी तरह अध्यात्म के मार्ग पर हूं। राजनीति या फिल्म इंडस्ट्री से मेरा कोई संबंध नहीं है। ममता तीन दिन के गोरखपुर दौरे पर हैं। मंगलवार को एक होटल में उन्होंने ये बातें कही थीं।

पुलिस बोली-दिल्ली दंगे केंद्र में सा परिवर्तन की साजिश थी

देशभर में हिंसा फैलाने की कोशिश हुई; सुप्रीम कोर्ट में 177 पन्नों का हलफनामा दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। 2020 के दिल्ली दंगे कोई अचानक भड़की हिंसा नहीं थे, बल्कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन करने की साजिश के तहत किए गए थे। इसका मकसद देश को कमजोर करना था।

पुलिस ने यह बात 177 पन्नों के हलफनामे में कही है, जो सुप्रीम कोर्ट में उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर दाखिल किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, जांच में मिले गवाहों के बयान, दस्तावेज और तकनीकी सबूत बताते हैं

कि यह दंगे नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ विरोध को हथियार बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कराए गए थे।

पुलिस का कहना है- इस साजिश के तहत देशभर में हिंसा फैलाने की कोशिश हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और कर्नाटक जैसे राज्य भी शामिल थे। उमर खालिद और शरजील इमाम साजिशकर्ता थे, जिन्होंने लोगों को भड़काने का काम किया।

दरअसल, दिल्ली में फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 53 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों घायल हुए थे।

पुलिस बोली- आरोपी बार-बार झूठी याचिकाएं दाखिल कर रहे : दिल्ली पुलिस की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वकील राजत नायर और ध्रुव पांडे पेश हो रहे हैं। पुलिस ने अदालत में कहा कि आरोपी बार-बार झूठी याचिकाएं दाखिल कर रहे हैं ताकि केस की सुनवाई में देरी हो। यह न्याय प्रक्रिया में रुकावट डालने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट अब पुलिस के इस हलफनामे पर सुनवाई करेगा।

पीएम मोदी बोले- आरजेडी -कांग्रेस के लिए छठी मैया की पूजा ड्रामा है, इन लोगों ने मां का अपमान किया

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुजफ्फरपुर की जनसभा में कहा कि आपकी इतनी भीड़ बता रही है कि इस बार फिर से एनडीए सरकार आने वाली है। बिहार में फिर से सुशासन सरकार आएगी। छठ महापर्व के बाद यह मेरी पहली जनसभा है। छठ महापर्व बिहार और देश का गौरव है। देश और दुनिया में छठ महापर्व मनाया जाता है। हमलोग छठ की गीत सुनकर भावविभोर हो जाते हैं। छठी मैया में मां की भक्ति, समता, ममता और सामाजिक समरसता है। छठ महापर्व को मानवता के महापर्व के रूप में मनाते हैं। हमलोग कोशिश कर रहे हैं कि यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में छठ महापर्व शामिल हो। यह सूची बड़ी जांच पड़ताल और लंबी प्रकिया के बाद यह सूची बनती है। हमारी सरकार कोशिश कर रही है कि यूनेस्को की इस सूची में छठ महापर्व का नाम शामिल हो। अगर ऐसा होता तो हर बिहारियों को गर्व होगा।

कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं : पीएम मोदी ने कहा कि आपने देखा है कि आपका बेटा तो छठी मैया का जय जयकार पूरी दुनिया में कराने में लगा है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। आप मुझे बताइए क्या कोई कभी चुनाव में वोट के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है?

पीएम मोदी ने जंगलराज की पहचान बताई, पूछे यह सवाल

पीएम मोदी ने कहा कि हमारा बिहार स्वाभिमान की धरती है। जिन लोगों ने छठ पूजा को गाली देने का काम किया है। बिहार ऐसे लोगों को कभी माफ नहीं करेगा। एनडीए और भाजपा की पहली प्राथमिकता ही बिहार का विकास है। पीएम मोदी ने कहा कि कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन और करप्शन ही जंगलराज वालों की पहचान है। यह उनके साथियों की पहचान बन गई है। राजद और कांग्रेस वाले केवल अपने परिवार का भला करते हैं। ऐसे लोग बिहार का भला नहीं कर सकते हैं। बिहार का भला करने के लिए उद्यम, उद्योग चाहिए। उद्योग के लिए जमीन, बिजली और कानून का राज चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जिनका इतिहास जमीन कब्जाने का रहा है, वो किसी उद्योग को जमीन देंगे क्या? जिन्होंने बिहार को लालटेन युग में रखा, वो बिजली दे पाएंगे क्या? जिन्होंने रेल को लूटा, वो कनेक्टिविटी बढ़ाएंगे क्या? और जिन्होंने भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड तोड़े, वो कानून का राज ला सकते हैं क्या? प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार ने भाजपा और एनडीए का सुशासन देखा है।

राजद के नेता अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम ही लूट लेते थे

पीएम मोदी ने कहा कि आजकल पूरा बिहार जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है। पूरे देश भर लोग खुश हैं। लेकिन, जंगलराज में यह संभव नहीं था। जंगलराज में गाड़ियों की दुकानें बंद हो गई थीं। यह इसलिए बंद हो गए थे क्योंकि राजद के नेता अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम ही लूट लेते थे। अगर किसी ने नई गाड़ी खरीदी हो तो उसके पीछे राजद के गुंडे लग जाते थे। ऐसे जंगलराज में कोई अपनी पूंजी नहीं लगाता। राजद और कांग्रेस के ऐसे ही कुकर्मों ने लाखों नौजवानों को बेरोजगार कर दिया। पलायन करने पर मजबूर कर दिया। मुजफ्फरपुर के लोग राजद सरकार में हुए गोलू अपहरण कांड को कभी नहीं भूल सकते हैं। इसी शहर में साल 2001 में स्कूल जाते एक बच्चे का अपराधियों ने दिनदहाड़े अपहरण कर लिया। बदले में लाखों रुपये मांगे। जब उन्हें रुपये नहीं मिले तो गोलू के टूकड़े कर दिए।

राहुल बोले- मोदी के हाथ में नीतीश का रिमोट कंट्रोल

पीएम ने बटन दबाया और सीएम बोलने लगते हैं; बिहार को बदलने का दावा झूठा

नालंदा, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नालंदा के नूरसराय में सभा को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बिहार का युवा सपना देखता है कि इंजीनियर बनूंगा, डॉक्टर बनूंगा। मां-पिता के पास जाता है और कहता है कि मुझे पढ़ाई करनी है। महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है और बिहार का ईमानदार युवा देखता रह जाता है।

नीतीश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया। लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं मरने जाते हैं।

दूसरी तरफ पीएम मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतीश का रिमोट है। नीतीश से जो करवाना है पीएम करवा देंगे। बिहार को नीतीश नहीं चलाते हैं। सरकार अमित शाह-मोदी चलाते हैं।

दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं : राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने

खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बार में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं यहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है उन्हें पेपर मिल जाता है। बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं।

राहुल बोले- प्रधानमंत्री में दम होना चाहिए : राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है। मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रंप अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया।

राहुल गांधी बोले- वोट के लिए ड्रामा करते हैं मोदी

राहुल बोले- मोदी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे, यमुना की बजाए स्विमिंग पुल में नहाते हैं राहुल गांधी ने छठ पर्व पर यमुना नदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा है कि मोदी जी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे हैं और यमुना नदी में नहाने के बजाय एक स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। राहुल ने आरोप लगाया कि यह छठ पूजा वोट हासिल करने के लिए किया गया नाटक है और मोदी वोट के लिए मंच पर नाच भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी को छठ पूजा या बिहार की परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है, उनका मकसद केवल वोट लेना है। राहुल ने यह भी कहा कि मोदी जी जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रखते, सिर्फ प्रचार और सत्ता में बने रहने में लगे रहते हैं।

गृह मंत्री अमित शाह बोले- कांग्रेस की वजह से सरदार पटेल को भारत रत्न मिलने में 41 साल देरी हुई

पटना ,एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पटना में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर को लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती है। सरदार पटेल के कारण ही आज भारत एक हो पाया। आज के भारत के निर्माण में उनका बहुत बड़ा योगदान है। सरदार पटेल की जयंती पर 2014 से हर साल पीएम मोदी 31 अक्तूबर को केवरिया कॉलोनी जाते हैं। सरदार पटेल की प्रतिमा के सामने भव्य परेड होता है। अब गृह मंत्रालय ने तय किया है कि हर साल 31 अक्तूबर को भव्य परेड का आयोजन होगा। यह परेड देश की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए है। यह परेड सभी राज्यों की पुलिस बल और केंद्रीय पैरा मिलिट्री फोर्स के सम्मान में है। उनकी प्रतिमा के सामने यह परेड आयोजित होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 26 जनवरी की तर्ज पर अब हर 31 अक्तूबर को परेड का आयोजन किया जाएगा। यह परेड एकता और अखंडता का संदेश देगा।

सरदार ने पाकिस्तान कॉरिडोर बनाने की मनसा को नाकाम किया : इस बार देश के सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, जिला, पुलिस स्टेशन, स्कूल, कॉलेज में रन फॉर यूनिटी का आयोजिन हुआ। इस बार 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत पर्व का आयोजन एकता नगर में है। यह एक नवंबर से 15 नवंबर तक चलेगा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) तक यह चलेगा।

बिहार को कब्जाना चाहता है एनडीए; दिल्ली में मोदी, बिहार में नीतीश वाले शाह के बयान पर तेजस्वी का वार

पटना ,एजेंसी। बिहार चुनावी समर में एनडीए और महागठबंधन के बीच बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। सबसे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर करारा वार करते हुए कहा कि लालू जी चाहते हैं कि उनका बेटा मुख्यमंत्री बने और सोनिया जी चाहती हैं कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि दिल्ली में मोदी जी हैं और बिहार में नीतीश जी हैं, कोई जगह खाली नहीं है। शाह के इस बयान पर अब बिहार में महागठबंधन की ओर सीएम का चेहरा तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। शाह ने कहा कि महागठबंधन की राजनीति सिर्फ परिवारवाद और कुर्सी के इर्द-गिर्द घूमती है, जबकि एनडीए जनता के विकास के लिए काम कर रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि अगर एनडीए सत्ता में लौटा तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहेंगे। शाह के बयान के बाद महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने जोरदार पलटवार किया। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, अमित शाह कहते हैं कि बिहार में जमीन की दिक्कत है, इसलिए उद्योग नहीं लग सकते। मैंने ऐसा गृह मंत्री नहीं देखा जो खुद अपने बयान से बिहार के युवाओं का मनोबल तोड़ दे। असल में, एनडीए बिहार को कब्जाना चाहता है, विकास करना नहीं।

अबॉर्शन पर सुनवाई चल रही थी, नाबालिग की डिलीवरी हुई

15 साल की रेप पीड़ित का केस; गुजरात हाईकोर्ट बोला- राज्य 6 महीने तक खर्च उठाए

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद की 15 साल की नाबालिग दुष्कर्म पीड़ित ने गुजरात हाईकोर्ट की सुनवाई के दौरान 28 अक्टूबर की दोपहर एक बच्ची को जन्म दिया है। यह सुनवाई 35 हफ्ते की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति से जुड़ी याचिका पर हो रही थी।कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह मां और बच्ची के सभी खर्च छह महीने तक उठाए, जिसमें डिलीवरी का खर्च भी शामिल है।

जानिए क्या था पूरा मामला- नाबालिग के पिता ने 35 हफ्ते की गर्भावस्था खत्म करने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 24 अक्टूबर को आरोपी के खिलाफ मांडल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई। कोर्ट ने सोला सिविल अस्पताल को मेडिकल जांच का आदेश दिया, लेकिन रिपोर्ट आने से पहले ही बच्ची का जन्म हो गया। जिसके बाद कोर्ट ने केस को निरर्थक बता दिया। नाबालिग को 25 अक्टूबर को अहमदाबाद के सोला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तीन दिन बाद, 28 अक्टूबर की दोपहर प्रसव पीड़ा शुरू होने पर उसने 2.2 किलो वजन की बच्ची को जन्म दिया।

कोर्ट ने मां-बच्ची की जिम्मेदारी सरकार को दी- गुजरात हाईकोर्ट ने अहमदाबाद जिले के जांच अधिकारी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) को नाबालिग मां और उसकी बच्ची की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी है। अदालत ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार छह महीने तक मां और बच्ची के इलाज, देखभाल और जरूरतों का पूरा खर्च उठाए। साथ ही कोर्ट ने DLSA को आदेश दिया कि वह पीड़िता को अंतरिम मुआवजा दिलाए और यह सुनिश्चित करे कि सभी निर्देशों का पालन समय पर और सही तरीके से हो।

चक्रवात मोन्था कमजोर पड़ा: लेकिन नेपाल तक असर, यूपी-बिहार में बारिश

म.प्र. में तेज हवाओं से तापमान गिरा; आंध्र में तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। चक्रवात मोन्था लगातार कमजोर हो रहा है। लेकिन, इसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश जारी है। यूपी के लखनऊ-कानपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में बारिश से जलभराव हो गया है।

बुधवार को मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तेज हवा चली। इससे तापमान में कमी आई है। उज्जैन में तापमान 23 डिग्री पहुंच गया। राजस्थान के जयपुर, अलवर, करौली सहित कई जिलों में गुरुवार सुबह तेज बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

इधर, चक्रवात मोन्था ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान किया है। आंध्र प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गई, 42 मवेशी मारे गए और करीब 1.5 लाख एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई। तेलंगाना के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। सूर्यापेट में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। खम्मम जिले में एक ट्रक ड्राइवर के बह जाने की भी खबर है।उधर, नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। नेपाली मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है।

नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' का असर, तेज बारिश शुरू : नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका जताई गई है।

निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज से क्रेन गिरी

दो पिकअप वाहन दबे,दो की मौत, 4 घायल; लोगों में आक्रोश

पुलिस ने आंसू गैन की गन, पानी के टैंकर मंगाए

पीथमपुर, एजेंसी। धार जिले के पीथमपुर में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज पर पिलर चढ़ा रही क्रेन पलट गई और सर्विस रोड से गुजर रहे दो पिकअप वाहनों पर गिर गई। दोनों वाहन चकनाचूर हो गए। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 4 लोग घायल हैं।

हादसे से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मौके पर पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। क्षेत्र में तनाव के चलते आंसू गैस के गोले छोड़ने वाली गन और नगर पालिका के पानी के टैंकर भी बुलाए गए हैं

हादसा शुक्रवार करीब 8~30 बजे सागौर इलाके में हुआ। जानकारी के अनुसार, क्रेन भारी पिलर को शिफ्ट करने का काम कर रही थी। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ा और पलट गई। सूचना मिलते ही सागौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी मयंक अवस्थी भी पहुंचे।

लोहे की प्लेट नहीं लगाने से हुआ हादसा

पीथमपुर में करीब 500 मीटर लंबे रेलवे ओवरब्रिज का काम तीन साल से चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शी आसिफ खान ने बताया कि सुबह सीमेंट पिलर उठाने का काम किया जा रहा था। क्रेन के नीचे लोहे की प्लेट नहीं लगाने के कारण वजन उठाते ही क्रेन का एक हिस्सा सड़क में धंसने लगा। जैसी ही, बैलेंस बिगड़ा क्रेन पलटी खा गई।मौके पर मौजूद एडवोकेट राजेश चौधरी ने बताया कि रेलवे विभाग के अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर की लापरवाही से हादसा हुआ है।

दिल्ली में इस महीने 12 मुठभेड़...15 से अधिक बदमाश गिरफ्तार, सात शातिर ढेर; कई वांछित दबोचे

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इस महीने 12 से अधिक मुठभेड़ें हुई हैं। इनमें 15 से अधिक बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही बिहार में सक्रिय गिरोह के चार सदस्यों समेत सात बदमाश मारे गए। इन अभियानों के दौरान बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से कई पुलिसकर्मियों की जान बच गई। दिल्ली पुलिस की एक वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि लगातार जारी यह अभियान संगठित अपराध नेटवर्क और राजधानी व आसपास के राज्यों में सक्रिय बदमाशों के खिलाफ पुलिस की रणनीति को दर्शाता है। पुलिस ने दावा किया कि दो अक्टूबर को एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या की सुपारी लेकर आए रोहित गोदारा उर्फ गोल्डी बराड उर्फ वीरेंद्र चारण गिरोह के दो सदस्यों को जैतपुर-कालिंदी कुंज रोड पर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया।आरोपियों की पहचान हरियाणा के राहुल और साहिल के रूप में हुई। पुलिस का दावा है कि वह विदेश में मौजूद गैंगस्टर रोहित गोदारा के निर्देश पर काम कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि यमुनानगर में तीन लोगों की हत्या के मामले में आरोपी राहुल मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने कहा कि अगले दिन तीन अक्टूबर को इसी गिरोह से जुड़े दो और बदमाशों को कापसहेड़ा में मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया, जिनकी पहचान राजस्थान के आकाश राजपूत और महिपाल के रूप में हुई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दोनों के खिलाफ तीन राज्यों में रंगदारी और अपहरण के कई मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि बीस हजार रुपये के इनामी बदमाश राजपूत को पैर में गोली लगने के बाद पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों दलेर कोटिया गैंग के साथ काम करते थे।

हत्या की वीडियो अपलोड किया था: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमजा ने अपने दोस्त आदिल की हत्या का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था, उसने पुलिस पर गोली चलाई, लेकिन जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने के बाद वह पकड़ा गया। पुलिस ने कहा कि दस अक्टूबर को नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक और मुठभेड़ में अफताब आलम उर्फ अट्टी नाम का अपराधी घायल हुआ। आरोपी ने पुलिस पर दो बार गोली चलाई, लेकिन जवाबी कार्रवाई में घायल होने के बाद पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि 12 दिन बाद, 22 अक्टूबर को द्वारका में मुठभेड़ के बाद रितिक उर्फ डांसर नाम के अपराधी को गिरफ्तार किया गया। रितिक उत्तम नगर में हत्या के एक मामले में वांछित था।

मुठभेड़ के बाद दबोचा गया इमरान, टांग में लगी गोली: उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में मंगलवार आधी रात को एक बदमाश की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। बदमाश ने पुलिस पर दो राउंड गोलियां दाग दी। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में चलाई एक गोली बदमाश की टांग में लगी। बाद में उसे काबू कर लिया गया। आरोपी इमरान उर्फ काला (21) को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम ने उसके पास से एक पिस्टल, दो कारतूस व चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपी के खिलाफ वेलकम थाने में कई आपराधिक मामले हैं।

उत्तर-पूर्वी जिला के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि मंगलवार रात को जिले का स्पेशल स्टाफ न्यू उस्मानपुर इलाके में गश्त पर था। इस बीच जीरो पुश्ता, बिजली घर के नजदीक टीम ने बगैर नंबर प्लेट की बाइक पर एक युवक को आते हुए देखा। युवक को हाथ दिखाकर रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ने एकदम पिस्टल निकालकर टीम पर गोली चला दी। गनीमत यह रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पुलिस ने दोबारा आरोपी से सरेंडर करने की अपील की। इसके बाद आरोपी ने दोबारा टीम पर फायर कर दिया। गोली स्पेशल स्टाफ में तैनात सिपाही परमजीत की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। फौरन पुलिस ने दो राउंड गोली चलाई। एक गोली बदमाश की टांग में लगी। फौरन उसे काबू कर लिया गया। उसकी पहचान इमरान उर्फ काला के रूप में हुई। टीम ने फौरन उसे नजदीकी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए एनडीएमसी ने दोगुना किया पार्किंग शुल्क, ग्रेप 2 के तहत उठाया कदम

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर काबू पाने के लिए नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने बड़ा निर्णय लिया है। उसने नई दिल्ली इलाके में वाहनों की गतिविधियों को कम करने और लोगों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन अपनाने के लिए पार्किंग शुल्क दोगुना करने की घोषणा की है। यह कदम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के चरण-दो के तहत उठाया गया है। एनडीएमसी के अनुसार, आयोग की उप-समिति की 19 अक्तूबर को हुई बैठक में पाया गया कि शाम सात बजे तक राजधानी का एक्यूआई 302 दर्ज किया गया था और आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी की आशंका जताई गई थी। इसके बाद एनडीएमसी ने तत्काल प्रभाव से ग्रेप चरण-दो लागू करते हुए पार्किंग दरें बढ़ाने का निर्णय लिया।

परिषद ने कहा है कि ग्रेप चरण-दो के निरस्त होने तक नई दिल्ली क्षेत्र में उसकी सभी ऑफ-स्ट्रीट और इनडोर पार्किंग स्थलों पर नई दरें लागू रहेंगी। अब चारपहिया वाहनों की पार्किंग फीस 20 से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति घंटा कर दी गई है, जबकि दुपहिया वाहनों की दर 10 से बढ़ाकर 20 रुपये प्रति घंटा की है। बसों के लिए शुल्क 150 से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति घंटा और इनडोर पार्किंग में कारों के लिए 10 से 20 रुपये और दुपहिया के लिए पांच से 10 रुपये प्रति घंटा कर दिया गया है। एनडीएमसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑन-स्ट्रीट पार्किंग स्थलों और मासिक पास धारकों के लिए यह बढ़ोतरी लागू नहीं होगी, क्योंकि सड़क किनारे की पार्किंग दरें पहले से ही अधिक हैं।

अगले साल से आधुनिक पटरी पर रफ्तार भरेगी रेलवे टिकटिंग प्रणाली, 30 साल बाद होगा व्यवस्था में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे में टिकट बुकिंग प्रणाली में अगले साल बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मौजूदा समय में जहां एक मिनट में 25,000 टिकट की ही बुकिंग हो सकती है, वहीं कुछ माह बाद सवा लाख टिकटों तक बुकिंग हो पाएगी। रेलवे की यह नई प्रणाली स्मार्ट, पारदर्शी, बहुभाषी और यात्री-केंद्रित होगी। इससे टिकट बुकिंग में लगने वाला समय घटेगा और वेबसाइट या एप क्रैश होने की समस्या समाप्त हो जाएगी। नई प्रणाली को रेल सूचना केंद्र प्रणाली (क्रिस) की तरफ से विकसित किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था को मॉर्डन यात्री आरक्षण प्रणाली कहा गया है। बताया जा रहा है कि इस व्यवस्था को अगले साल से लागू कर दिया जाएगा।

रेलवे में आरक्षण प्रणाली 1995 में लागू की गई थी। मौजूदा समय की तुलना में उस समय तकनीक उतनी विकसित नहीं थी लेकिन अब तकनीक काफी बेहतर हो चुकी है। ऐसे में नई व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही थी। पुरानी व्यवस्था के तहत एक मिनट में सिर्फ 25,000 टिकट ही बुक किए जा सकते हैं। ऐसे में 25,000 से अधिक संख्या होने पर तकनीकी दिक्कतें आती हैं। इस संख्या को सवा लाख करने से तकनीकी परेशानी दूर होगी। अधिकारियों का कहना है कि सिस्टम इस तरह से विकसित किया गया है कि इसे सवा लाख से भी अधिक बढ़ाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान यात्री आरक्षण प्रणाली इटेनियम सर्वर और ओपन वीएमएस पर आधारित है। यह तकनीकी रूप से पुराना हो चुका है। इस ढांचे को अब आधुनिक क्लाउड-आधारित प्रणाली में बदला जाएगा। यह बदलाव रेलवे के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को भविष्य के लिए तैयार करेगा।

तत्काल टिकट लेने वालों को मिलेगी अधिक राहत: नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यात्रियों को तत्काल टिकट बुकिंग में मिलेगा। मॉर्डन यात्री आरक्षण प्रणाली से वेबसाइट की गति 5 गुना तेज होगी, सर्वर लोड संतुलित रहेगा, लॉगिन आधार से सत्यापित होगा और एक मिनट में सवा लाख टिकट बुक करने की क्षमता से तत्काल टिकट बुक करने वाले यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना पहले की तुलना में कई गुना अधिक होगी। मौजूदा समय में टिकट खुलते ही वेबसाइट स्लो हो जाती थी, भुगतान अटकने समेत कई तरह की तकनीकी परेशानियां सामने आती हैं। नई क्लाउड-आधारित टिकट प्रणाली में पीएनआर और सीट उपलब्धता चेक करने की क्षमता भी कई गुना बढ़ाई जा रही है। अभी जहां एक मिनट में औसतन चार लाख पूछताछ की जा सकती है।

बांग्लादेश में जनमत संग्रह कराने की मांग तेज, आठ दलों ने की रैली, चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जनमत संग्रह कराने और जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने की मांग ने जोर पकड़ लिया। आठ राजनीतिक दलों ने आज अंतरिम सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए राजधानी ढाका के अगरगांव स्थित निर्वाण भवन के बाहर रैली की। इसके बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी और इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश सहित आठ राजनीतिक दलों ने रैली करने के बाद चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंप कर नवंबर में हर हाल में जनमत संग्रह और जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने की मांग की। ज्ञापन में चुनाव आयोग से सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी गई है कि ऐसा न करने पर पिछले आयोग जैसा अंजाम होगा।

जमात नेताओं ने रैली में जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने और अगले संसदीय चुनाव से पहले जनमत संग्रह कराने के लिए संवैधानिक आदेशों की आवश्यकता पर जोर दिया। रैली को जमात के सहायक महासचिव अब्दुल हलीम, मुबारक हुसैन, रेजाउल करीम और नजीमुद्दीन मुल्ला आदि ने संबोधित किया। इस्लामी आंदोलन के नेताओं ने भी इस मांग को दोहराया और कहा कि संसदीय चुनाव से पहले जनमत संग्रह कराने में देरी नहीं होनी चाहिए।

सनद रहे बांग्लादेश में 30 सितंबर से खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश नेजाम-ए-इस्लाम पार्टी, बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और बांग्लादेश विकास पार्टी सहित आठ दल पांच सूत्री मांगों के समर्थन में अभियान चला रहे हैं। पांच मांग यह हैं ।

जुलाई के राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने और नवंबर तक जनमत संग्रह कराने के आदेश जारी करना। अगले आम चुनाव में संसद के दोनों सदनों में आनुपातिक प्रतिनिधित्व लागू करना। स्वतंत्र, निष्पक्ष और स्वीकार्य चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना। फासीवादी सरकार के सभी अत्याचारों, नरसंहार और भ्रष्टाचार के लिए प्रत्यक्ष अभियोजन। निरंकुशता का समर्थन करने के आरोप में नेशनल पार्टी और 14 दलीय गठबंधन की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना।

दक्षिण कोरिया बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, ट्रंप की हां

सियोल (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की राजकीय यात्रा के दौरान मेजबान देश के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरुवार सुबह अपने सोशल ट्रुथ पर लिखा, ÷दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी मिल गई है। इस पनडुब्बी का निर्माण फिलाडेल्फिया स्थित अमेरिकी शिपयार्ड में किया जाएगा।

द कोरिया हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा, हमारा देश (अमेरिका) जल्द ही बड़े पैमाने पर जहाज निर्माण शुरू करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण कोरिया को अत्याधुनिक पनडुब्बी बनाने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने यह घोषणा दक्षिण कोरिया के 350 अरब डॉलर के निवेश के वादे के बाद की। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को ट्रंप के साथ लंच पर हुई शिखर वार्ता के दौरान दक्षिण कोरिया की पनडुब्बियों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए परमाणु ईंधन के पुनर्प्रसंस्करण की अमेरिका से सहमति मांगी थी। राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार शाम व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए बताया कि ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संयुक्त परामर्श का सुझाव दिया और दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के विकास की आवश्यकता को स्वीकार किया।

ट्रंप और शी के शिखर सम्मेलन पर दुनिया की नजर, दोनों बुसान पहुंचे

बुसान (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाले शिखर सम्मेलन पर सारी दुनिया की निगाह टिकी हुई है। दोनों नेता दक्षिण कोरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर और महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र बुसान पहुंच चुके हैं। शिखर सम्मेलन सुबह लगभग 11 बजे गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर के नारायमारू स्वागत कक्ष में शुरू होगा द कोरिया हेराल्ड अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जिनपिंग गुरुवार सुबह 10:30 बजे (स्थानीय समय) चीन की ध्वजवाहक एयरलाइन एयर चाइना की उड़ान से बुसान के पहुंचे।

एआई चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया पांच ट्रिलियन डॉलर की हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। ताइवान में जन्मे चर्चित अमेरिकी व्यवसायी जेन्सेन हुआंग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया अब पांच ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में लगातार अपनी ताकत को मजबूत कर रही है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, दिग्गज कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप से मिले तो उनकी कंपनी का मूल्य पांच ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया। इसकी कुछ साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। यह तब की बात है जब अन्य तकनीकी दिग्गज लगभग हर महाद्वीप पर निर्माण परियोजनाओं पर अरबों डॉलर खर्च कर रहे थे।

एनवीडिया की यह उपलब्धि इस कंपनी के रणनीतिक महत्व का भी संकेत है। इसने पिछले चार महीनों में बाजार मूल्य में एक ट्रिलियन डॉलर का इजाफा किया है। एनवीडिया अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति बन गई। हार्वर्ड में आर्थिक नीति के प्रोफेसर जेसन फुरमैन के अनुसार, कंपनी के चिप्स से लैस डेटा केंद्रों पर खर्च ने वर्ष की पहली छमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का 92 प्रतिशत हिस्सा बनाया। इसके बिना अर्थव्यवस्था 0.1 प्रतिशत की ही वृद्धि दर्ज कर पाती। एनवीडिया की शानदार वृद्धि वॉल स्ट्रीट के सबसे बड़े बैंकों से लेकर मेन स्ट्रीट के छोटे-मोटे व्यापारियों और निवेशकों के लिए एक चेतावनी भी लेकर आई है। आज शेयर बाजार उन तकनीकी कंपनियों के समूह पर तेजी से निर्भर होता जा रहा है जो अरबों रुपये का मुनाफा कमा रही हैं और एक ऐसी अप्रमाणित तकनीक विकसित करने में पैसा लगा रही हैं, जिससे भारी मुनाफा मिलना जरूरी है।

बैंड-बाजा-बरात : देवोत्थान एकादशी पर दिल्ली में भी गूंजेंगी शहनाइयां, 2 नवंबर को है शादियों का महासंयोग

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में दो नवंबर को शादी के गीतों और बैंड-बाजों की धुनों से गलियां, कॉलोनियां और गांव गूंज उठेंगे। चार महीने के लंबे भद्र काल के बाद अब विवाह का शुभ समय शुरू हो रहा है। देवोत्थान एकादशी पर हजारों जोड़े सात फेरे लेकर जीवन के नए सफर की शुरुआत करेंगे। इस तरह 'डोली सजाकर रखना, मेंहदी लगाकर रखना, लेने तुझे ओ गौरी आएंगे तेरे सजना...' जैसे गीतों की गूंज और घोड़ियों पर सवार दूल्हों के साथ राजधानी एक बार फिर शादी के रंग में रंग जाएगी। गौरतलब है कि आषाढ़ माह में भड्डुली नवमी से विवाह जैसे मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं, जो कार्तिक मास की देवोत्थान एकादशी तक नहीं होते। इस बीच करीब चार महीने तक शादियां नहीं होतीं। इस बार यह शुभ अवसर शनिवार दो नवंबर को पड़ रहा है, जिससे ज्यादातर परिवारों ने इसी दिन अपने बच्चों की शादी तय की है। ज्योतिषाचार्य प्रकाश शास्त्री ने बताया कि दिल्ली में कोई भी ऐसा इलाका नहीं है जहां दो नवंबर को शादी न हो रही हो। दक्षिण दिल्ली से लेकर उत्तरी दिल्ली, बाहरी इलाकों से लेकर गांवों तक, हर जगह तैयारियां जोरों पर हैं। कालोनियों में दो-दो, तीन-तीन बारातें निकलेंगी। इसके साथ ही कई सामाजिक संगठनों और सेवा संस्थाओं ने गरीब परिवारों की बेटियों के लिए सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने की घोषणा की है। यह आयोजन दिल्ली के कई हिस्सों में होंगे। ट्रैफिक पुलिस ने भी शादी सीजन के मद्देनजर विशेष व्यवस्था करने की तैयारी की है ताकि बारातों के कारण जाम की स्थिति न बने। ज्योतिषियों का कहना है कि देवोत्थानी एकादशी के बाद विवाह के लिए कई शुभ तिथियां और भी आएंगी, लेकिन दो नवंबर की तिथि सबसे श्रेष्ठ मानी गई है।उधर, बाजार में भी रौनक लौट आई है। बैंड, कैटरिंग, ज्वैलरी और कपड़ा बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है।

देवोत्थान एकादशी पर मुहूर्त निकालने की जरूरत नहीं: ज्योतिषाचार्य प्रमोद शास्त्री के अनुसार, देवोत्थान एकादशी वह दिन है जब भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं और देव दरबार पुनः खुल जाता है। इसी के साथ विवाह और मांगलिक कार्यों पर लगी रोक हट जाती है। इस दिन शादी के लिए मुहूर्त निकलवाने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि यह स्वयं में ही अत्यंत शुभ माना गया है। शास्त्री का कहना है कि इस दिन विवाह करने से दंपती का जीवन सुख, समृद्धि और सौभाग्य से भर जाता है।

सीबीआईसी का पूर्व अधिकारी 27 करोड़ की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार, क्रिप्टो में दुबई भेजी जाती थी रकम

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के बर्खास्त अधिकारी रोहित कुमार शर्मा (35) को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 21.5 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 27 करोड़ रुपये है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को जनकपुरी क्षेत्र में 13-14 अक्टूबर की दरमियानी रात जनक सिनेमा के पास से पकड़ा गया, जब वह ड्रग्स की खेप सौंपने जा रहा था। मौके से 44.42 लाख रुपये नकद, एक एसयूवी और एक स्कूटर भी जब्त किए गए। हाइड्रोपोनिक मारिजुआना सामान्य कैनाबिस से 10 गुना अधिक शक्तिशाली होती है और इसे वैज्ञानिक विधि से उगाया जाता है। यह ड्रग थाईलैंड से अंतरराष्ट्रीय पार्सलों के जरिये भारत लाई जाती थी और उच्च आय वर्ग में लोकप्रिय है।

इलेक्ट्रॉनिक्स में कर चुका है बीटेक: आरोपी रोहित कुमार शर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री ले रखी है और वर्ष 2015 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में शामिल हुआ था। हालांकि 2019 में केरल के कन्नूर हवाईअड्डे पर तैनाती के दौरान उसे सोने की तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में राजस्व खुफिया निदेशालय ने उसे एनडीपीएस अधिनियम के तहत भी आरोपी बनाया। विभागीय जांच के बाद उसे वर्ष 2023 में बर्खास्त कर दिया गया था।

नौकरी से निकाले जाने के बाद चला गया था दुबई: सेवा से बर्खास्त होने के बाद वह वह दुबई चला गया, जहां उसकी मुलाकात बिहार निवासी अभिषेक नामक व्यक्ति से हुई और दोनों ने थाईलैंड से हाइड्रोपोनिक मारिजुआना भारत में तस्करी करने की साजिश रची। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने अपने पुराने सीमा शुल्क संपर्कों का इस्तेमाल करते हुए गुवाहाटी जैसे कम व्यस्त हवाईअड्डों के जरिये तस्करी को अंजाम दिया।

ऐसे लेता था रकम: मादक पदार्थों की बिक्री से होने वाली कमाई कथित रूप से हवाला और क्रिप्टोकरेंसी चैनलों के माध्यम से दुबई भेजी जाती थी। पुलिस ने कहा कि गिरोह के अन्य सहयोगियों की पहचान और नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

साइबर ठगों ने एक ही दिन में पति-पत्नी के तीन खातों में लगाई सेंध, उड़ाए 10.70 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-1 में रहने वाले एक बुजुर्ग दंपती के तीन बैंक खातों से साइबर ठगों ने एक ही दिन में 10.70 लाख रुपये निकाल लिए। ठगी का शिकार हुए दंपती ने बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस को शक है कि वारदात में किसी करीबी व्यक्ति का हाथ भी हो सकता है। मामला पूर्वी जिले के साइबर थाने में दर्ज कर लिया गया है।70 वर्षीय प्रियमवदा अस्थाना, जो सरकारी स्कूल से सेवानिवृत्त शिक्षिका हैं, ने बताया कि वह घर पर थीं, तभी अचानक उनके मोबाइल पर लगातार बैंक ट्रांजैक्शन के मैसेज आने लगे। जब उन्होंने संदेश देखे तो पता चला कि खाते से 8.95 लाख रुपये निकल चुके हैं। उन्होंने तुरंत बैंक के कस्टमर केयर पर संपर्क किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसी बीच, उनके पति अनुराग अस्थाना, जो खुद भी सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हैं, के मोबाइल पर भी वैसी ही मैसेज आने लगे। उनके दो खातों से क्रमशः 1.25 लाख और 49 हजार रुपये की निकासी हो चुकी थी। दंपती ने तुरंत बैंक शाखा को सूचित किया और अपने खाते बंद कराए। पीड़ितों का कहना है कि उनके पास किसी भी ट्रांजैक्शन से पहले कोई ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) नहीं आया। उन्हें शक है कि बैंक सिस्टम के अंदर से किसी ने जानकारी लीक की है। उन्होंने बैंक अधिकारियों पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।बैंक की सलाह पर दंपती ने 1930 हेल्पलाइन और साइबर थाना, पूर्वी जिला में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक पड़ताल में यह पाया गया है कि ठगी गई रकम कई खातों में ट्रांसफर की गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन खातों के धारक कौन हैं और क्या इनका सीधा संबंध दंपती से है। पुलिस का कहना है कि संभावना है कि दंपती के किसी परिचित को बैंक की जानकारी थी।

दिल्लीवासियों का कृत्रिम बारिश के लिए बढ़ा इंतजार, पर्यावरण में कम नमी ने बिगाड़ा खेल

दिल्ली, एजेंसी। क्लाउड सीडिंग के बावजूद दिल्ली में बारिश कराने में सफलता नहीं मिलने पर आईआईटी कानपुर की टीम ने वातावरण में पर्याप्त नमी होने तक अगला प्रयोग रोकने का फैसला किया है। इससे दिल्लीवासियों को जहरीली हवा से निजात के लिए बारिश का इंतजार बढ़ गया है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है-परीक्षण से वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। विपक्ष की आलोचना के जवाब में दिल्ली सरकार ने कहा कि वैज्ञानिकों के ईमानदार प्रयासों पर सवाल उठाना गलत है। आईआईटी कानपुर ने कहा, वातावरण में 50 फीसदी से अधिक नमी जरूरी है। इसके बिना क्लाउड सीडिंग से बारिश संभव नहीं है।

दिशा समिति की बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने की विभागवार समीक्षा

सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचे : सांसद

कार्य में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई, मिशन मोड में काम करने के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक में शासन की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं अभियानों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। सांसद ने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का उद्देश्य आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना और उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक सहजता और पारदर्शिता से पहुँचे। सांसद ने अधोसंरचना विकास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, सड़क, कृषि, और सामाजिक न्याय से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग अपने-अपने क्षेत्र में निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन करे और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने यह भी जोड़ा कि विकास कार्यों की गति बढ़ाने के लिए विभागीय समन्वय और साझा

उत्तरदायित्व अनिवार्य है। सांसद ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की विशेष निगरानी रखने, समय पर पंजीयन, टीकाकरण और नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली को सात दिनों में शिफ्ट करने के निर्देश दिए ताकि नए भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा सके। सांसद ने कहा कि किसी भी प्रकार का विभागीय फेरबदल कलेक्टर की अनुमति के बिना न किया जाए और सभी केंद्रों पर आवश्यक स्टाफकी पदस्थापना सुनिश्चित हो। सांसद ने रेलवे कार्यों की समीक्षा करते हुए मार्च 2026 तक सीधी जिला मुख्यालय को रेलवे से जोड़ने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को समयसीमा और गुणवत्ता दोनों पर समान ध्यान देने को कहा। लोक निर्माण विभाग को सीधी हवाई पट्टी को शीघ्र क्रियाशील बनाने के निर्देश भी दिए गए। सांसद ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने और हर बसाहट तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद ने विद्युत विभाग को केबलीकरण कार्यों में प्रगति लाने तथा खराब ट्रांसफार्मर को शीघ्र बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सामाजिक न्याय विभाग को दिव्यांगों के प्रमाणपत्र निर्माण और उपकरण वितरण हेतु शिविरों का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। चिकित्सकों को शिविरों में समय पर उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए गए। सांसद ने बताया कि सांसद खेलकूद प्रतियोगिता 10 नवंबर से आयोजित होगी। किसानों के लिए सांसद ने रबी सीजन में खाद की पर्याप्त उपलब्धता और सुव्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेमौसम वर्षा से हुई फसल क्षति का निष्पक्ष सर्वेक्षण और मुआवजा निर्धारण पारदर्शी ढंग से किया जाए। सांसद ने जिले में गौशालाओं के व्यवस्थित संचालन और स्वावलंबी गौशाला योजना के तहत सभी विकासखंडों में सुपोषित गौशाला खोलने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने और अनधिकृत होर्डिंग्स पर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि सांसद द्वारा दिए गए निर्देशों का समग्र और समयबद्ध पालन प्रत्येक विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पसमीक्षा में अद्यतन किए जाएं और एक सप्ताह के भीतर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने भी कहा कि सभी विभाग प्रमुख अपने अधीनस्थ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दें और कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करें।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जनपद अध्यक्ष , सुनैना सिंह सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही वनमण्डलाधिकारी प्रीती अहिरवार, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, विकास आनंद, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला, एसडीएम सिहावल प्रिया पाठक, एसडीएम मझौली आर.पी. त्रिपाठी , एसडीएम चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मेला आज मानस भवन में आयोजित होगा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीधी मिनी अग्रवाल के मार्गदर्शन में 31 अक्टूबर को स्थानीय मानस भवन, सीधी में अंगीकार अभियान 2025 के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मेला आयोजित किया जाएगा। यह मेला प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगा। इस एकदिवसीय मेले का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के हितग्राहियों सहित अन्य नागरिकों को शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से जोड़ना एवं उन्हें योजनाओं के लाभ से लाभान्वित करना है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों एवं संस्थानों द्वारा नागरिकों को योजनाओं की जानकारी और सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। मेले में अग्रणी बैंक के जिला प्रबंधक के मार्गदर्शन में जिले के सभी बैंक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी, जिला आपूर्ति अधिकारी सीधी, जिला परियोजना प्रबंधक (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) तथा नगर पालिका परिषद सीधी के सहयोग से दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल ने समस्त नगरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस मेले में सम्मिलित हों और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

भाजपा सम्मेलन में स्कूली छात्रों को शामिल करने पर विवाद, शिवसेना ने बताया राजनीतिक प्रोपेगंडा; अभिभावकों ने भी जताई आपत्ति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में भाजपा द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन विवादों में घिर गया है। गुरुवार दोपहर मानस भवन में हुए इस कार्यक्रम में स्कूली और कॉलेज के छात्र-छात्राओं को भीड़ जुटाने के लिए कथित तौर पर शामिल किया गया, जिस पर विपक्षी दलों और स्थानीय संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है। बताया जा रहा है कि छात्रों को इस बृहद युवा सम्मेलन में जबरन या दबावपूर्वक बुलाया गया था। इस आयोजन का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देना था, लेकिन छात्रों की भागीदारी के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं।

संख्या बढ़ाने छात्राओं उपयोग निंदनीय: शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने इस आयोजन को भाजपा का राजनीतिक प्रोपेगंडा करार दिया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के नाम पर यह कार्यक्रम पूरी तरह राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया गया, जिसमें छात्रों का उपयोग केवल संख्या बढ़ाने के लिए किया गया, जो निंदनीय है। सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सीधी जिले में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। मंच से उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं पर चर्चा करते हुए युवाओं से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम को लेकर शहर में दिनभर चर्चा बनी रही। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने चिंता व्यक्त की कि छात्र-छात्राओं को विद्यालयों से बुलाकर राजनीतिक मंच पर बैठाना शिक्षा के क्षेत्र की गरिमा के विपरीत है। नाम न छापने की शर्त पर कई शिक्षकों ने भी बताया कि उन्हें छात्रों को सम्मेलन में भाग लेने के निर्देश मिले थे। विपक्षी दलों का कहना है कि यदि भाजपा वास्तव में आत्मनिर्भर भारत की भावना पर काम कर रही है, तो उसे युवाओं को रोजगार और अवसर प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि उन्हें राजनीतिक रैलियों की भीड़ का हिस्सा बनाना चाहिए।

मनरेगा कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं, त्योहारों के बाद भी वित्तीय संकट; बोले- अब घर खर्च चलाना मुश्किल, आंदोलन करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में मनरेगा के तहत काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिला है। रक्षाबंधन, दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहार गुजर जाने के बाद भी वेतन न मिलने से कर्मचारी गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

जिले में कुल 360 मनरेगा कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें करीब 300 रोजगार सहायक, 45 इंजीनियर और अधिकारी तथा 15 अन्य कर्मचारी शामिल हैं। लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। उन्होंने कई बार ज्ञापन सौंपकर और धरना देकर अपनी मांगें रखी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

कर्मचारी बोले- अब घर खर्च चलाना मुश्किल: कलेक्ट्रेट में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 अमित कुमार ने बताया कि उन्हें शासकीय आवास तो मिल गया है, लेकिन चार महीने से वेतन न मिलने के कारण घर खर्च, बच्चों की फीस और दवाइयों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति अब असहनीय होती जा रही है।

कर्मचारियों ने प्रशासन से शीघ्र वेतन जारी करने की मांग की है, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। उनका कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन शुरू करेंगे और काम बंद करने के लिए मजबूर होंगे। मनरेगा विभाग की ओर से अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे कर्मचारियों का आक्रोश और बढ़ता जा रहा है।

डिलीवरी के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने शव रखकर किया चक्का जाम; डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में प्रसव के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल चौक पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की। घटना गुरुवार दोपहर 12 बजे की है।

बच्चे को जन्म देने के बाद बिगड़ी तबीयत: यह मामला सीधी जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित चौफाल गांव का है। चौफाल निवासी कल्पना भुजवा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन बंजारी स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे। महिला ने वहां बच्चों को जन्म दिया, लेकिन इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

डॉक्टरों पर सही समय पर इलाज न करने का आरोप: परिजनों का आरोप है कि बंजारी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने समय पर उचित उपचार नहीं दिया और लापरवाही बरती। जब महिला की स्थिति गंभीर हुई, तो उसे जिला अस्पताल सीधी रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने शव रखकर किया विरोध प्रदर्शनत्नजिला अस्पताल में डॉक्टरों की ओर से महिला को मृत घोषित किए जाने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अस्पताल चौक पर शव रखकर सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने दोषी डॉक्टरों और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जांच के लिए बनी तीन सदस्यीय टीम: सूचना मिलने पर गोपद वनास एसडीएम राकेश शुक्ला घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। प्रशासन ने इस घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने भी मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में मझौली कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

युवा उत्सव से आत्मविश्वास, नेतृत्व और रचनात्मकता को मिलता है प्रोत्साहन : डॉ. गीता

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशन में शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में तीन दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की टीमों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा रीवा संभाग रीवा डॉ. आर. पी. सिंह रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से की गई।

महाविद्यालय के युवा उत्सव प्रभारी डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि उत्सव में सांस्कृतिक, सांगीतिक, साहित्यिक और रूपांकन की 22 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई विधाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृ युवा उत्सव जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं। यह केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति, संवाद और संवेदनशीलता का जीवंत मंच है। विद्यार्थी ऐसे आयोजनों के माध्यम से अपने भीतर की प्रतिभा को पहचानते और निखारते हैं। प्रतियोगिताओं में प्रश्न मंच में आकाश तिवारी, पीयूष तिवारी, सुयश दीक्षित प्रथम रहे। एकल नृत्य शास्त्रीय में सरस्वती सिंह प्रथम, मूर्ति कला में राजकुमारी प्रजापति प्रथम, पोस्टर निर्माण में वैष्णवी मिश्रा प्रथम, वाद-विवाद (पक्ष) में गगन द्विवेदी, वाद-विवाद (विपक्ष) में वैष्णवी मिश्रा, एकल वादन (परकुशन) में सिंकू साकेत प्रथम रहे।

इसके अतिरिक्त समूह गायन (भारतीय) में राखी गुप्ता एवं साथी, एकांकी में शुभांजलि गुप्ता एवं साथी, रंगोली में हर्षित गुप्ता, व्यंग्य चित्र में गगन द्विवेदी, वक्तृता, एकल गायन पाश्चात्य, मूकाभिनय और कोलाज में भी छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बारिश से धान की फसल हुई खराब, खेतों में भरा पानी; किसानों ने मांगा मुआवजा

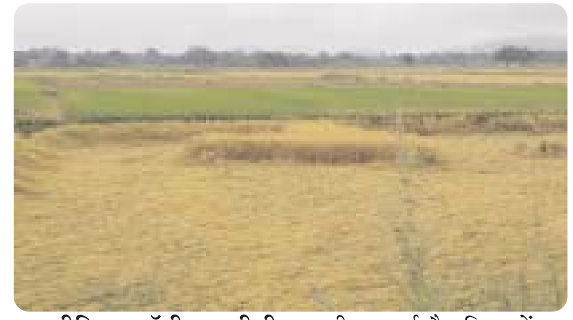

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्रामीण अंचलों में पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश के कारण हजारों एकड़ धान की फसल बर्बाद हो गई है। कुकुड़ीझर सहित आसपास के कई गांवों में खेत जलमग्न हो गए हैं, जिससे किसान संकट में हैं। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र सर्वे कराकर मुआवजे की मांग की है। गुरुवार को ग्राम कुकुड़ीझर और उसके आसपास के क्षेत्रों में धान के खेत पूरी तरह पानी में डूब गए। खेतों में पानी भर जाने से धान की बालियां काली पड़ने लगी हैं और बीज सड़ने का खतरा बढ़ गया है। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

ग्राम कुकुड़ीझर के किसान ज़ालिम सिंह ने बताया कि उनके पूरे गांव की फसल लगभग नष्ट हो चुकी है। उन्होंने 12 एकड़ में धान की फसल बोई थी, जो अब पूरी तरह बर्बाद हो गई है। सिंह ने प्रशासन से उचित मुआवजे की उम्मीद जताई है। किसानों का कहना है कि उन्होंने अपनी फसल पर सालभर की मेहनत और पूंजी लगाई थी, जो अब व्यर्थ हो गई है। उन्होंने तहसीलदार और पटवारी से तत्काल सर्वे कराने की मांग की है, ताकि नुकसान का सही आकलन हो सके। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर सर्वे नहीं हुआ तो फसल पूरी तरह सड़ जाएगी।

इस संबंध में गोपद बनास के एसडीएम राकेश शुक्ला ने बताया कि कुछ किसानों ने फोन पर फसल नुकसान की जानकारी दी है। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के पटवारी को मौके पर भेज दिया है। शुक्ला ने आश्वासन दिया कि सर्वे रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। लगातार बारिश से कई इलाकों में जनजीवन भी प्रभावित हुआ है, जिससे यातायात बाधित हुआ है। किसान अब शासन-प्रशासन से जल्द राहत और मुआवजे की उम्मीद लगाए हुए हैं।

पंचायत सचिव 15 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार, नल-जल योजना के भुगतान के लिए मांगी थी घूस; रीवा लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सोहागपुर जनपद में लोकायुक्त रीवा की टीम ने पोंगरी पंचायत के सचिव मंगेश्वर मिश्रा को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पंचायत भवन में की गई, जहां सचिव उपसरपंच अमृतलाल यादव से रिश्वत ले रहा था। जानकारी के अनुसार, यह रिश्वत जल गंगा संवर्धन योजना के तहत 2 लाख 37 हजार रुपए के कार्य के बिल के भुगतान के लिए मांगी गई थी। उपसरपंच अमृतलाल यादव ने इस संबंध में 28 अक्टूबर को लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उपसरपंच यादव ने बताया कि सचिव ने बिल पास कराने के लिए कुल 25 हजार रुपए की मांग की थी। 15 हजार रुपए की यह राशि पहली किस्त के तौर पर दी जा रही थी, तभी लोकायुक्त टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

घूस की राशि बरामद: गुरुवार को लोकायुक्त की 10 सदस्यीय टीम ने पोंगरी पंचायत भवन में छापा मारा। जैसे ही सचिव ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान पंचायत परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। लोकायुक्त टीम ने मौके से रिश्वत की रकम बरामद कर सचिव को गिरफ्तार कर लिया।

सर्किट हाउस में पूछताछ: उन्हें शहडोल सर्किट हाउस ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। टीम ने सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हाल ही में धनपुरी क्षेत्र में भी एक कर्मचारी को रिश्वत लेते पकड़ा गया था। इन कार्रवाइयों से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के प्रयास जारी हैं।

पीथमपुर का ऑपरेटर बड़वाह में डूबा, मौत; घाट से 100 फीट दूर मिली लाश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। बड़वाह में नर्मदा नदी में नहाने के दौरान एक 32 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। यह घटना गुरुवार सुबह करीब 8 बजे विरक्त कुटी आश्रम से लगे बालकानंद घाट पर हुई। मृतक की पहचान रविशंकर के रूप में हुई है।

बताया गया है कि रविशंकर अपने दोस्त के साथ इंदौर से बड़वाह के नावघाट खेड़ी स्थित नर्मदा तट पर आया था। ओंकारेश्वर बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा का जल स्तर बढ़ा हुआ था। इसके बावजूद वह स्नान के लिए गहरे पानी में चला गया। रविशंकर के डूबने पर स्थानीय लोगों ने मुख्य घाट से गोताखोर बाबूलाल मंगले, संजय केवट और प्रदीप केवट को बुलाया। गोताखोरों ने तट से करीब 100 फीट दूर गहरे पानी से रविशंकर के शव को बाहर निकाला। घटना की सूचना स्थानीय बड़वाह पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पंचनामा बनाकर शव को बड़वाह सिविल अस्पताल पहुंचाया। मृतक के मित्र नीरज ने बताया कि रविशंकर मूलतः सीधी जिले के रामपुर नैकिन का रहने वाला था। वह पीथमपुर में एसएस वायर बनाने वाली कंपनी श्याम सेल्स में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। नीरज भी उसी कंपनी में हेल्पर था। नीरज के अनुसार, बुधवार शाम को दोनों नावघाट खेड़ी में रहने वाले बाल हनुमान मंदिर के पुजारी और रविशंकर के रिश्तेदार शिवम तिवारी के घर रुके थे। सुबह उनका ओंकारेश्वर जाने का प्लान था, लेकिन रवि ने नर्मदा स्नान की इच्छा जताई। शिवम ने बढ़े हुए जल स्तर का हवाला देकर रवि को स्नान न करने की सलाह दी थी, लेकिन रवि ने कहा था कि उसे तैरना आता है। इसके बाद दोनों नहाने चले गए और यह हादसा हो गया। इस संबंध में रविशंकर के परिवार वालों को सूचना दे दी गई है।

संवैधानिक आरक्षण लांघते हुए

संपादकीय

'इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ' (1992) सर्वोच्च अदालत का ऐसा ऐतिहासिक फैसला था, जिसे 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सुनाया था। फैसला बहुमत से लिया गया था, लेकिन उसका प्रभाव सामूहिक था। उसे 'मंडल आयोग मामला' भी कहा जाता है। फैसले में सरकारी नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा गया था, लेकिन कुछ और महत्वपूर्ण फैसले भी सुनाए गए। मसलन-आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी होगी। 'क्रीमी लेयर' (अमीर ओबीसी सदस्यों) को आरक्षण से बाहर करना और पदोन्नति में आरक्षण को हटाना। 'पदोन्नति में आरक्षण' को असंवैधानिक करार दिया गया, जिसका अर्थ है कि आरक्षण केवल शुरुआती नियुक्ति के चरणों में ही लागू हो सकता है। दरअसल बहुमत के उस फैसले ने भारत में आरक्षण नीति को आकार दिया, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ उस ऐतिहासिक फैसले को लांघने का प्रयास करते रहे हैं। आरक्षण की परिभाषा खंडित करके उसे अपने अनुसार बनाया जा रहा है। ताजातरीन मामला बिहार में 'तेजस्वी का प्रण' का है। यह विपक्षी गठबंधन का चुनावी घोषणा-पत्र है। उसमें 25 'प्रण' किए गए हैं, जिनके आधार पर जनादेश मांगा जा रहा है। उनमें एक 'प्रण' यह भी है कि आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को बढ़ाने का कानून बनाएंगे और उसे 9वीं अनुसूची में दर्ज कराने की कोशिशें करेंगे। यह एक ऐसा चुनावी वायदा है, जो राज्य स्तर के चुनाव में नहीं किया जा सकता। बेशक विधानसभा में, बहुमत के आधार पर, आरक्षण की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। बिहार में ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के साथ गठबंधन सरकार के दौरान 'जातीय सर्वेक्षण' कराया था। 'जातीय जनगणना' केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है। उस सर्वेक्षण के बाद आरक्षण की सीमा 65 फीसदी तक बढ़ाने का प्रस्ताव विधानसभा में पारित किया गया था, लेकिन वह लागू नहीं हो सका, क्योंकि मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। पटना उच्च न्यायालय ने जून, 2024 में इसे 'असंवैधानिक' करार देते हुए खारिज कर दिया था। सर्वोच्च अदालत ने न तो उच्च अदालत के फैसले पर रोक लगाई और न ही पलटी मारने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार से आरक्षण की इस सीमा को 9वीं अनुसूची में डलवा पाए। संविधान की 9वीं अनुसूची में कुल 284 अधिनियम हैं। पहली बार इस अनुसूची को संविधान के सर्वप्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा 13 कानूनों के साथ, संविधान में जोड़ा गया था।

गौरा देवी की जन्मशती पर स्मरण

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

मेरा मन 1987 की उन दिनों में लौट जाता है जब मैं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.) से सामुदायिक स्वास्थ्य शोधकर्ता के रूप में चमोली जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के अध्ययन के लिए क्षेत्रीय दौरे पर था। आज जब मैं यह समाचार देखता हूँ कि डाक विभाग ने चमोली ज़िले के जोशीमठ ब्लॉक के रेणी गाँव में गौरा देवी की जन्मशती के अवसर पर एक विशेष माय स्टैम्प और स्मारक लिफाफा जारी किया है, तो अनेक स्मृतियाँ मन में ताज़ा हो जाती हैं।

सन् 1987 में ही मेरी पहली मुलाक़ात गौरा देवी से हुई थी। यह भेंट चिपको आंदोलन के अग्रणी श्री चंडी प्रसाद भट्ट द्वारा गोपेश्वर में दशोली ग्राम स्वराज मंडल के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई। उस समय मेरा वहाँ रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। समय का बीतना तब ही महसूस होता है जब पुराने मित्र बताते हैं कि हमारे बच्चे अब कितने बड़े हो गए हैं – और आज जब मेरी बड़ी बेटी सृष्टि पर्यावरण अभियांत्रिकी में बी.टेक और एम.टेक कर चुकी है, तो वे दिन और भी गहराई से याद आते हैं।

मुझे याद है कि उसकी कक्षा 10 की पर्यावरण शिक्षा की पाठ्यपुस्तक में चिपको आंदोलन को पर्यावरण संरक्षण की एक सफल जनकथा के रूप में शामिल किया गया था। उस समय मैं नहीं जानता था कि उसे इस आंदोलन के बारे में और कितना बताऊँ, परंतु उस संदर्भ ने मुझे मेरी पहली रेणी गाँव यात्रा की याद दिला दी – वह यात्रा जिसमें मेरे साथ स्वयं गौरा देवी थीं, वह महिला जिन्होंने गाँव की महिलाओं को संगठित कर वृक्षों को काटने से रोकने के लिए उन्हें आलिंगन कर जंगल बचाने का साहस दिखाया था।

उस समय मैं चमोली ज़िले में स्वास्थ्य सेवा तंत्र की स्थिति पर शोध कर रहा था। इस दौरान मैंने चिपको आंदोलन और उसमें महिलाओं की भूमिका के बारे में बहुत कुछ पढ़ा था। गोपेश्वर में रहते हुए मुझे श्री चंडी प्रसाद भट्ट से सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिला। यही मेरा सौभाग्य था कि इन्हीं दिनों मुझे गौरा देवी से भी मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। वे गोपेश्वर किसी कार्यक्रम में भाग लेने आई थीं। उनके चेहरे की चमक, आँखों का आत्मविश्वास और व्यक्तित्व की गरिमा सभी को प्रभावित कर रही थी।

बातचीत के दौरान उन्होंने हँसते हुए कहा कि उनकी बहुत बार तस्वीरें खींची गई, परंतु उन्हें कभी उनकी प्रतियाँ नहीं मिलीं। मैंने तुरंत स्थानीय फ़ोटोग्राफ़र को बुलाया और यह सुनिश्चित किया कि उन्हें तस्वीरें मिल जाएँ। अगले दिन मैंने उनके गाँव जाने का निश्चय किया, और सुबह-सुबह हम दोनों रेणी के लिए बस में सवार हुए। जब मैंने दोनों का किराया दिया तो उन्होंने ज़िद की कि अपना किराया स्वयं देंगी। वे तभी मानीं जब मैंने मज़ाक में कहा कि यह आधिकारिक यात्रा का खर्च है।

बस की यात्रा के दौरान मैं अधिकतर सुनता रहा – उनके अनुभवों और बातों में सादगी, संवेदना और जीवन की गहराई झलकती थी। रेणी गाँव के सड़क सिर तक पहुँचने के बाद हमें पैदल ऊपर चढ़ना पड़ा। उनकी उम्र मुझसे बहुत अधिक थी, फिर भी उनकी चाल मुझसे तेज़ थी – वे बार-बार रुकतीं ताकि मैं साँस ले सकूँ।

उस दिन गाँव की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता कुछ महिलाओं के साथ अनौपचारिक बैठक कर रही थीं। यह मेरे लिए एक अच्छा अवसर था उनसे बातचीत करने का। गौरा देवी भी उस समूह में शामिल हुई और यह देखना अद्भुत था कि गाँव की महिलाएँ उन्हें कितना सम्मान और स्नेह देती थीं। उनकी नेतृत्व क्षमता और दृढ़ता हर क्षण झलक रही थी।

मेरे लिए गौरा देवी सामूहिकता, साहस, नेतृत्व और भारतीय नारी-शक्ति की प्रतीक थीं। वे अब हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनके नेतृत्व की भावना आज भी देश के पर्यावरण और मानवाधिकार आंदोलनों को प्रेरणा देती है।

उनकी जन्मशती के इस अवसर पर मैं इस महान व्यक्तित्व को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ – गौरा देवी, जिनका जीवन और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और चेतना का स्रोत बना रहेगा।

भारत की एकता और अखंडता का दीप आज गर्व से प्रज्वलित है, जिसकी ज्योति लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अटूट संकल्प और अदम्य साहस से प्रकट हुई। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत सैकड़ों रियासतों में विभक्त था, किन्तु सरदार पटेल की दूरदृष्टि, दृढ़ इच्छाशक्ति और राजनीतिक कौशल ने इन रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को विखंडन से बचाया। यह केवल राजनीतिक एकीकरण नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण का भी प्रतीक था, जिसने अखंड भारत के स्वाभिमान को नई ऊर्जा प्रदान की। प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है।

लौह पुरुष के संकल्प की लौ से प्रज्वलित हुआ अखंड भारत का स्वाभिमान

(सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशेष)

नीलेश वर्मा

इस दिवस की घोषणा वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की गई थी। राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति जनजागरण फैलाना तथा स्वतंत्र भारत के निर्माण में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करना है। उनके अद्वितीय प्रयासों से भारत आज एक सशक्त, संगठित और एकतामय राष्ट्र के रूप में विश्व मंच पर गौरव से खड़ा है।

एक राष्ट्र होते हुए भी जब भारत लगभग 562 रियासतों में बंटा हुआ था, जिनमें से अनेक ब्रिटिश शासन के अधीन न होकर अर्ध-स्वायत्त थीं, तब देश को अखंड रूप देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने निभाई। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के प्रथम गृह मंत्री के रूप में अपने कुशल नेतृत्व, कूटनीति और अडिग इच्छाशक्ति से जूनागढ़, हैदराबाद, भोपाल, कच्छ, जोधपुर, त्रावणकोर, और मणिपुर जैसी प्रमुख रियासतों को भारत में मिलाने का कार्य किया। उनके अथक प्रयासों से अधिकांश रियासतों ने 1947 से 1949 के बीच स्वेच्छा से भारत संघ में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए। जोधपुर व भोपाल को उन्होंने राजनीतिक संवाद से और जूनागढ़ व हैदराबाद को उन्होंने दृढ़ प्रशासनिक व सैन्य नीति के माध्यम से भारत में जोड़ा। विशेष रूप से 1948 में ऑपरेशन पोलो के माध्यम से हैदराबाद राज्य का भारत में विलय, उनकी दृढ़ता और दूरदर्शिता का प्रमाण है। वास्तव में, यह कार्य किसी चमत्कार से कम नहीं था, क्योंकि जिस समय अन्य देश विभाजन की

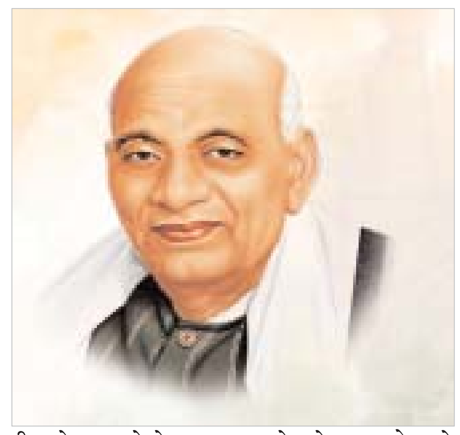

पीड़ा से गुजर रहे थे, उस समय पटेल ने भारत को टूटने से बचाया और एक राष्ट्र के रूप में खड़ा किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल कुर्मी समाज के गौरव हैं, गुजरात के एक साधारण कृषक परिवार में उनका जन्मे हुआ। अपने परिश्रम, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प से उन्होंएने दिखाया कि किसान का बेटा भी राष्ट्र निर्माता बन सकता है। 1918 के खेड़ा सत्याग्रह और 1928 के बारडोली आंदोलन में उन्होंने किसानों को संगठित कर अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ विजय पाई, जिससे उन्हें सरदार की उपाधि मिली। कुर्मी समाज उन्हें अपना आदर्श इसलिए मानता है क्योंकि उन्होंने किसान और श्रमिक वर्ग के सम्मान को राष्ट्रीय पहचान दी। उनका जीवन संदेश देता है कि एकता, संगठन और कर्मठता से कोई भी समाज उन्नति कर सकता है। यही कारण है कि सरदार पटेल आज भी कुर्मी समाज के स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के प्रतीक बने हुए हैं।

हम सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मना रहे हैं, यह केवल इतिहास की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण है। भारत के वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिवेश में उनके विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। विश्व राजनीति में भारत का उदय, रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ ही राष्ट्रीय एकता की सुदृढ़ भावना के साथ आगे बढ़ रहा है, यह सब लौह पुरुष के संकल्प का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की स्थापना उसी अमर भावना का प्रतीक है, जो बताती है कि भारत की आत्मा तभी प्रफुल्लित होती है, जब उसकी एकता अटूट हो। आज भारत एक भारत-श्रेष्ठ भारत के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, जहाँ उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक विकास, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की एक ही धारा बह रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बीते वर्षों में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय निर्णयों ने देश की एकता और अखंडता को नई दिशा दी है। इनमें अनुच्छेद 370 का हटाया जाना, जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन तथा पूर्वोत्तर राज्यों के तीव्र विकास जैसे कदम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। ये निर्णय न केवल भारत को भौगोलिक रूप से, बल्कि विचारों और भावनाओं के स्तर पर भी एक सूत्र में बांधते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के उस अधूरे स्वप्न को साकार कर रहे हैं, जिसमें एक एकजुट और सशक्त भारत की परिकल्पना थी। आज आवश्यकता है कि विशेषकर देश के युवा उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें। भारत में जब भी विभाजन या वैमनस्य की आवाज उठे, तब हमें लौह पुरुष की दृढ़ता याद रखनी चाहिए, जिन्होंने असंभव को संभव किया। वास्तव में देखें तो लौह पुरुष के संकल्प की लौ आज भी हमारे सैनिकों की शौर्यगाथाओं में, किसानों के परिश्रम में और युवाओं के नवाचार में प्रज्वलित है और यही लौ, यही चेतना, यही स्वाभिमान मेरे अखंड भारत की अमर आत्मा है।

जो झुका नहीं, जो टूटा नहीं, वही कहलाया 'लौहपुरुष' सरदार पटेल

श्वेता गोयल

राष्ट्रीय एकता की मिसाल रहे सरदार पटेल ने सदैव देशवासियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। समय-समय पर उन्होंने अपने वक्तव्यों द्वारा लोगों को आलस्य त्यागने, मेहनत करने, ईश्वर तथा सत्य में विश्वास रखने, अन्याय का डटकर मुकाबला करने जैसे प्रेरक संदेश दिए और देश के लिए कुछ अलग हटकर कार्य करने को प्रेरित किया। वे कहा करते थे कि जो काम कल करना है, उसकी बातों में ही आज का काम बिगड़ जाएगा और आज के काम के बिना कल का काम नहीं होगा, इसलिए आज का काम कीजिए तो कल का काम अपने आप हो जाएगा। कल हमें कोई मदद देने वाला है, सही सोचकर अगर आज बैठे रहे तो आज भी बिगड़ जाएगा और कल तो बिगड़ेगा ही। कोशिश करना हमारा फर्ज है और अगर हम अपने फर्ज को ही पूरा न करें तो हम ईश्वर के गुनाहगार बनते हैं। कर्म पूजा है लेकिन हास्य जीवन है और जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है, उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए। पिछला दुखड़ा रोना कायरों का काम है और हिसाब लगाकर मुकाबले की तैयारी करना बहादुरों का काम है। कठिन समय में कायर लोग बहाना ढूंढते हैं जबकि बहादुर व्यक्ति रास्ता खोज लेते हैं। उतावले उत्साह से बड़ा परिणाम निकलने की आशा नहीं रखनी चाहिए। सरदार पटेल कहते थे कि बेकार मत बैठिये क्योंकि बेकार बैठने वाला अपना ही सत्यानाश कर डालता है। रात-दिन कार्य करने वाला अपनी इन्द्रियों को आसानी से वश में कर लेता है, इसलिए आलस्य छोड़िये। उनका कहना था कि अगर कोई चीज मुफ्त मिलती है तो उसकी कीमत कम हो जाती है जबकि परिश्रम से पाई हुई चीज की कीमत ठीक तरीके से लगाई जाती है। लोगों को मेहनत और कर्म करने के लिए प्रेरित करते हुए वह कहते थे कि यह सच है कि पानी में तैरने वाले ही डूबते हैं, किनारे पर खड़े रहने वाले नहीं लेकिन इससे भी बड़ा सच यह है कि किनारे पर ही खड़े रहने वाले लोग तैरना भी नहीं सीखते। अहिंसा का समर्थन करते हुए सरदार पटेल का कहना था कि कायरों की अहिंसा का कोई मूल्य नहीं है। जो तलवार चलाना जानते हुए भी तलवार को म्यान में रखता है, उसी की अहिंसा सच्ची अहिंसा होती है। वह कहते थे कि आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अपने मजबूत हाथों से अन्याय का डटकर सामना कीजिए। लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सदैव कहते थे कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। उनका कहना था कि हमारा सिर कभी न झुकने वाला होना चाहिए। हमें केवल भगवान के आगे झुकना चाहिए, दूसरों के आगे नहीं। जो कोई भी सुख और दुःख का समान रूप से स्वागत करता है, वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीवन जीता है। हमें सदैव ईश्वर और सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए। यहां तक कि अगर हम हजारों की दौलत भी गंवा दें और हमारा जीवन बलिदान हो जाए तो भी हमें मुस्कुराते रहना चाहिए। बहुत बोलने से कोई लाभ नहीं होता बल्कि हानि ही होती है। हमें गम खाना सीखना चाहिए और मान-अपमान सहन करने की आदत डालनी चाहिए। सरदार पटेल को देश के छोटे से छोटे स्तर के व्यक्ति की भी कितनी चिंता थी, उसी को व्यक्त करते हुए उन्होंने एक बार कहा था कि उनकी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भी व्यक्ति अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा न रहे। वह कहते थे कि हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए, उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए। लौहपुरूष का कहना था कि आम का फल समय से पहले तोड़ोगे तो वह खट्टा ही लगेगा और दांत खट्टे हो जाएंगे लेकिन अगर उसे पकने देंगे तो वह अपने आप टूट जाएगा और अमृत के सामान लगेगा।

समाहिन से हैलोवीन तकः आत्माओं, अलाव और आनंद का उत्सव

हैलोवीन (31 अक्तूबर) पर विशेष

हैलोवीन, एक ऐसा उत्सव, जो हर साल 31 अक्तूबर को मनाया जाता है, केवल एक पार्टी या वेशभूषा का पर्व नहीं है बल्कि इसमें इतिहास, रहस्य और संस्कृति का अनूठा संगम छिपा है। पश्चिमी ईसाई धर्म के ऑल सेंट्स डे की पूर्व संध्या पर मनाया जाने वाला यह पर्व आधुनिक समय में मनोरंजन और डरावनी रस के साथ-साथ ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी रखता है। इसकी जड़ें प्राचीन सेल्टिक परंपराओं में हैं, जो आज के आधुनिक स्वरूप तक विकसित होती चली आई हैं। हैलोवीन की उत्पत्ति लगभग सातवीं शताब्दी तक जाती है, जब सेल्टिक लोग अपने नए साल के जश्न 'समाहिन' के अवसर पर बुरी आत्माओं को दूर भगाने के लिए अलाव जलाते और मुखौटे पहनते थे।

योगेश कुमार गोयल

यह पर्व मुख्यतः फसल के मौसम के अंत और ठंडी ऋतु के आगमन का संकेत देता था। उन्हें विश्वास था कि इस दिन मृतकों की आत्माएं धरती पर वापस आती हैं और जीवित लोगों की दुनिया के बीच की सीमा धुंधली हो जाती है। इसलिए, वे अपने घरों और गांवों को आग और धुएं से सुरक्षित रखते, डरावने मुखौटे पहनते और जश्न मनाते।

समाहिन उत्सव के दौरान लोग रात में बड़े अलाव जलाते और उनसे निकलने वाली रोशनी और धुआं बुरी आत्माओं को भटकाने के काम आता। इसके साथ ही, लोगों ने अपने चेहरे पर डरावने मुखौटे पहनकर आत्माओं को भ्रमित करने और सुरक्षित रहने की परंपरा बनाई। यह सामूहिक उत्सव न केवल सामाजिक एकता का प्रतीक था बल्कि जीवन और मृत्यु, अंधकार और प्रकाश के बीच के संबंध को भी दर्शाता था। सेल्टिक परंपराओं में रोमनों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रोमनों ने सेल्टिक क्षेत्रों में अपने धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों को समाहित किया। इनमें से एक प्रमुख उत्सव था 'फेरालिया', जो खोई हुई आत्माओं की स्मृति और सम्मान में मनाया जाता था। रोमन परंपराओं के शामिल होने से हैलोवीन उत्सव को नया अर्थ मिला, जिसने

इसे अधिक सामाजिक और सांस्कृतिक रूप दिया।

हैलोवीन आधुनिक समय में केवल धार्मिक या आध्यात्मिक पर्व नहीं रहा, यह अब एक वैश्विक उत्सव बन गया है, जिसमें रचनात्मकता, डर और मनोरंजन का समावेश है। कद्दू को काटकर चेहरे उकेरे जाते हैं और उसके भीतर मोमबत्तियां लगाई जाती हैं। यह केवल सजावट नहीं बल्कि प्राचीन विश्वास के अनुसार बुरी आत्माओं को डराने और उन्हें घर से दूर रखने का माध्यम भी है। अजीब तरह के चेहरे और प्रकाश का खेल रात के अंधकार में डर और रहस्य को बढ़ा देता है। हैलोवीन के दौरान 'ट्रिक-ऑर-ट्रीटिंग' का चलन सबसे मजेदार और बच्चों के लिए प्रिय परंपरा है। यह परंपरा मध्यकालीन यूरोप से आई है, जब लोग मृतकों की आत्माओं के सम्मान में अपने घरों पर भोजन और मिठाई छोड़ते थे। धीरे-धीरे यह खेल-खेल में बच्चों के लिए मिठाई और उपहार लेने की परंपरा में बदल गया। आज, बच्चे डरावने वेशभूषा में अपने पड़ोसियों के घर जाकर मिठाई लेने का आनंद लेते हैं और यदि उपहार न मिले तो हल्की शरारत करना भी इस परंपरा का हिस्सा बन गया है।

हैलोवीन की रंगत में काले और नारंगी रंग का विशेष महत्व है। नारंगी रंग फसल और पतझड़ के मौसम का प्रतीक है जबकि काला अंधकार, मृत्यु और रहस्य को दर्शाता है। सांस्कृतिक रूप से हैलोवीन ने दुनियाभर में अपनी पैठ बना ली है। अमेरिका में इसे बड़े उत्साह और व्यावसायिकता के साथ मनाया जाता है। घरों और दुकानों में डरावनी सजावट की जाती है, थीम आधारित पार्टियां आयोजित की जाती हैं और बच्चों के साथ-साथ व्यस्क भी इस उत्सव में शामिल होते हैं। इसके अलावा, हॉरर फिल्मों की स्क्रीनिंग और हैलोवीन खेल जैसे भूतिया घर की सैर, डरावनी कहानी सुनाना और परंपरागत खेल इस उत्सव की आकर्षक विशेषताएं हैं।

हैलोवीन के आधुनिक उत्सव में खाद्य संस्कृति का भी एक अलग ही महत्व है। कैंडी, कैंडी सेब, मिठाई और अन्य स्वादिष्ट व्यंजन इस दिन का मजा बढ़ाते हैं। बच्चों के लिए यह दिन केवल डर और मजा ही नहीं बल्कि साझा करने और आनंद लेने का भी प्रतीक है। मोमबत्तियां, अलाव और सजावट से जुड़े तत्व इसे एक सामूहिक और सामाजिक अनुभव में बदल देते हैं, जो परिवार और मित्रों के साथ बिताए गए समय को यादगार बनाता है। हैलोवीन केवल डर और मनोरंजन का पर्व नहीं है, बल्कि यह मानव संस्कृति और इतिहास का प्रतीक भी है। समय के साथ हैलोवीन का महत्व बदलता रहा है लेकिन इसका मूल संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। चाहे आप जैक-ओ-लालटेन बनाएं, ट्रिक-ऑर-ट्रीटिंग करें या केवल दोस्तों के साथ डरावनी कहानियां साझा करें, हैलोवीन हर बार नए अनुभव और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव जीवन की जटिलताओं, अंधकार और प्रकाश के बीच संतुलन का प्रतीक है।

प्रतापदेव वार्ड स्थित भूमि में मल्टीपार्किंग बनाने हेतु कांग्रेस चलाएगी हस्ताक्षर अभियान : राजेश चौधरी

मनमानी बंद करें महापौर, मल्टीपार्किंग बनना ही आम जनता के हित में है सर्वोपरि -सुशील मौर्य

जगदलपुर, एजेंसी। आज संभाग मुख्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया..इस प्रेसवार्ता में बस्तर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य की उपस्थिति में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने पत्रवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी दिनों में समस्त कांग्रेस पार्षददल के द्वारा बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में प्रतापदेव वार्ड स्थित भूमि में मल्टीपार्किंग बनाने हेतु कांग्रेस हस्ताक्षर अभियान चलाएगी और इस अभियान के जरिए जनता के समक्ष उनकी राय और उनकी मंशा को जानने का भी कार्य करेगी।क्योंकि प्रतापदेव वार्ड में चिन्हांकित मल्टीपार्किंग की जमीन को अन्य प्रायोजन के लिए निगम की भाजपा सरकार और जिला प्रशासन दे रही है जिसका कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है पिछले ही दिनों 16अगस्त को कांग्रेस पार्षददल द्वारा अन्य प्रायोजन पर रोक लगाने नजूल अधिकारी एवं कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया था किंतु आज पर्यंत तक एक भी जवाब या प्रति नहीं आया

है इसलिए हम यह हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं जिससे पता चले कि इस मल्टीपार्किंग बनाने हेतु जनता को पक्ष और राय क्या है क्योंकि यह चिन्हांकित जमीन मल्टीपार्किंग बनाने के लिए ही स्वीकृत है

राजेश चौधरी ने आगे कहा वहीं शहर के प्रथम नागारिक महापौर महोदय के द्वारा कहा जा रहा है कि नगर निगम कोई भी जमीन नहीं देती है और जिस लहजे में वो इस बात को कह रहे हैं वो कतई लोकतंत्र में स्वीकार नहीं है साथ ही एक जनप्रतिनिधि के पद पर आघात कार्य है और जिस प्रकार महापौर द्वारा लगातार कहा जा रहा है भारतीय जनता पार्टी वहां जमीन मंदिर के लिए दे रही है और वहां पर मंदिर बन कर रहेगा..! और इस लहजे में बात कर चैलेंज कर रहे हैं और किसको चैलेंज कर रहे हैं एक महापौर के पद पर रहकर इस प्रकार की भाषा बोलना बिल्कुल अस्वीकार है इस बात की घोषणा कर रहे है जबकि ऐसे मामलों पर आधिकारिक घोषणा के लिए प्रशासन है प्रशासनिक अधिकारी है आखिर महापौर क्यों घोषणा कर रहे हैं क्या वह उनकी निजी जमीन है जो बेचने की बात कर रहे हैं वहीं सामान्य सभा में इस विषय को नहीं लाना साथ ही एमआईसी में लाने के बाद सामान्य सभा से यह मुद्दा गायब करना महापौर की निजी लाभ को दर्शाता है इन सभी मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी व कांग्रेस पार्षददल द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है किन्तु नगर निगम प्रशासन और महापौर के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने पत्रवार्ता को संबोधित करते हुए कहा मल्टीपार्किंग की नाम पर महापौर की मनमानी बर्दाश्त से बाहर है शहर की जनता ने अपने एवं शहर के लिए समुचित निर्णय, हितकारी निर्णय व शहर को सुस्सज्जित एवं व्यवस्थित करने की मंशा से भाजपा शासित नगर सरकार को नगर निगम में अपने लिए एवं शहर के लिए सर्वमान्य हितकारी निर्णय लेने हेतु अपना अमुल्य मतदान कर नगर निगम में भाजपा शासित नगर सरकार को स्थापित किया था जो कि वर्तमान में जनता के हितकारी निर्णय ना ले रही है महापौर का जनता विरोधी चेहरा सबके सामने है महापौर पांडे जी सत्ता के नशे में मदमस्त हैं शहर के हदय स्थल में स्थित भूमि को आम जनता के पार्किंग के लिए ना देते हुए आम जनता विरोधी कार्य भाजपा नगर सरकार कर रही है जबकि मेन रोड का मुल्यांकन नगर निगम में बैठी सरकार करे तो भूमि की आवश्यकता किसी एक की नही जगदलपुर की समस्त नगरवासियों की आवश्यकता है शहर के हृदय स्थल में स्थित शासकीय भूमि को जनता के हित में माल्टीलेवल पार्किंग के लिए आवंटित किया जाए। जिसके लेकर कांग्रेस पार्टी हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। इस दौरान उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना, पार्षद सूर्यापानी, जाहिद हुसैन, सुशीला बघेल, गौतम पाणिग्रही, अफरोज बेगम, कैलाश नाग, जस्टिन भवानी, लोकेश चौधरी, रविशंकर तिवारी, राकेश मोर, आभास महंती आदि मौजूद रहे ।

अवैध रूप से गौण खनिज रेत का उत्खनन करते 6 वाहनों पर प्रकरण दर्ज

जगदलपुर, एजेंसी। कलेक्टर श्री हरिस एस के निर्देशानुसार खनि अधिकारी श्री शिखर चेरपा के मार्गदर्शन में खनिज जांच दल द्वारा 28 अक्टूबर को जिले के ग्राम बनियागांव का औचक निरीक्षण में अवैध रूप से गौण खनिज रेत का उत्खनन करते पाये जाने के कारण उत्खननकर्ताओं के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर 6 वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में सौंपी गई। रेत का अवैध परिवहन करते हुए पांच टिप्पर और एक चैन माउण्टेन पोकलेन की जब्ती की गई है। वाहनों को खनिज मय जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में सौंपते हुए वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में जिला खनिज जांच उड़नदस्ता दल के खनि अधिकारी श्री शिखर चेरपा, खनि निरीक्षक श्री मृदुल गुहा तथा खनि सिपाही श्री डिकेश्वर खरे उपस्थित रहे। उपरोक्त सभी प्रकरणों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 सहपठित खान एवं खनिज (विकास तथा विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

शासकीय कर्मचारियों की जिम्मेदारी तथा राजनैतिक दलों के सहयोग से जिले में होगा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य : कलेक्टर

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07 फरवरी 2026

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। आयोग द्वारा जारी पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार जिले में एसआईआर का कार्य 28 अक्टूबर से प्रारंभ कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक लेकर एसआईआर के संबंध में विस्तृत जानकारी दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) का दायित्व से अवगत कराते हुए कहा कि

बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना फार्म वितरित करेंगे और प्राप्त गणना फार्म पर अपने अभिमत के साथ आयोग के पोर्टल पर अपलोड करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य एक बड़ी प्रक्रिया है और पूरी तरह से पारदर्शी है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे एसआईआर के दौरान अपने बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें और इस कार्य में बीएलओ को पूरा सहयोग दें।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिदार ने बताया कि एसआईआर में जिले के सभी मतदान केन्द्रों के लिये नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक उपलब्ध कराएंगे और गणना पत्रक भरवा कर वापस प्राप्त करेंगे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

कलेक्टर ने विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

सुकमा, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान प्रारंभ हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर, सहायक प्रोग्रामर (निर्वाचन) श्री सौरभ उप्पल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने बैठक में कहा कि मतदाता सूची का अद्यतन लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता का मूल आधार है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्वाचन दलों को निर्देश दिए कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि, दोहराव या चूक न हो, इसके लिए सघन निगरानी की जाए।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण अभियान नागरिकों के सहयोग से ही सफल हो सकता है। पात्र नागरिक अपने नाम, पते या विवरण में सुधार हेतु निर्धारित अवधि में आवेदन करें। इसके लिए बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) की सहायता ली जा सकती है। कलेक्टर ने बताया कि निर्वाचन आयोग की यह पहल पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आगामी चुनावों में मतदान प्रक्रिया और अधिक सटीक तथा विश्वसनीय बनेगी। निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण की बैठक में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण की संपूर्ण समय-सारिणी की जानकारी दी गई। जनप्रतिनिधियों ने भी निर्वाचन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री ध्रुव ने अंत में सभी राजनीतिक दलों से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सहयोग करने की अपील की, ताकि जिले की निर्वाचक नामावलियाँ पूर्णतः शुद्ध, पारदर्शी और समावेशी रूप में तैयार की जा सकें।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती पर विशेष

द्विफसलीय क्षेत्र के जरिए किसान कर रहे हैं आय संवृद्धि

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य को उदित हुए 25 वर्ष की अवधि में बस्तर जिले के अंतर्गत किसानों को सिंचाई संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए सकारात्मक प्रयास किया गया है, जिसके फलस्वरूप अब तक कुल 92 सिंचाई योजनाओं के माध्यम से 32 हजार 656 हेक्टेयर सिंचित रकबा का सृजन किया गया है। बस्तर जिले में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व 38 लघु सिंचाई योजनाओं से 7521 हेक्टेयर खरीफ एवं 1386 हेक्टेयर रबी कुल 8907 हेक्टेयर रकबा में सिंचाई हो रही थी। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद किसानों को खेती-किसानी के लिए ज्यादा से ज्यादा सिंचाई साधन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 54 सिंचाई योजनाओं का निर्माण कर 23 हजार 749 हेक्टेयर सिंचित रकबा का सृजन किया गया है।

जिसमें 18 हजार 129 हेक्टेयर खरीफ और 5620 हेक्टेयर रबी फसल हेतु सिंचाई क्षेत्र विकसित किया गया है। इन सभी सिंचाई संसाधनों के माध्यम से ईलाके के किसानों द्वारा द्विफसलीय खेती-किसानी को बढ़ावा देकर आय संवृद्धि किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद जल संसाधन विभाग के द्वारा बस्तर जिले में कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना सहित बेदारमुंडा एवं टिकरालोहंगा लघु सिंचाई तालाब, कुम्हरावण्ड, बनियागांव एवं भालूगुड़ा उदवहन सिंचाई योजना, मूली एवं कावारास व्यपवर्तन योजना और 46 एनीकट एवं स्टॉपडेम निर्मित किया गया है। इन सिंचाई साधनों के निर्माण एवं सिंचित रकबा में वृद्धि के फलस्वरूप अब किसानों में नकदी फसलों की ओर रुझान बढ़ रहा है। जिससे जिले के किसान आवश्यकता के अनुरूप खरीफ फसल में सिंचाई करते हैं और रबी सीजन में मक्का, उड़द-मूंग एवं साग-सब्जी की भरपूर पैदावार लेकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रहे हैं।

धान खरीदी के लिए आवश्यक प्रारंभिक तैयारियों समय पर करें पूर्ण - कलेक्टर हरिस एस

रजत जयंती वर्ष में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम हो गरिमामयी

जगदलपुर, एजेंसी। कलेक्टर श्री हरिस एस ने धान खरीदी के लिए आवश्यक प्रारंभिक तैयारियों समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि अनुविभागीय स्तर पर निगरानी समिति की बैठक लेकर किसानों को एप, स्टैगिंग, टोल फ्री नं., एफआरए पट्टाधारक को एग्रीस्टैक में कैरी फॉरवर्ड करवाने की कार्यवाही करें। उन्होंने किसान सम्मान निधि पर एफआरए पट्टाधारकों का भी पंजीयन करवाने के निर्देश दिए।जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में मंगलवार की दोपहर में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री हरिस ने कहा कि प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम गरिमामयी से आयोजित की जाएगी, विभागों के द्वारा 25 वर्ष में जिले के विकास की थीम पर विभागीय प्रदर्शनी का आयोजन करते हुए राज्योत्सव कार्यक्रम को संपादित करेंगे। साथ ही तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा जिससे स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम शहर के सिटी ग्राउंड में 2 से 4 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव होंगे। उन्होंने कार्यक्रम में पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित क्षेत्र के विकास में योगदान देने वाले सभी सम्मानितजनों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बस्तर ओलम्पिक के तहत खेल गतिविधियों का आयोजन के सम्बन्ध में चर्चा किया, उन्होंने कलस्टर विकासखंड, जिला स्तरीय प्रतियोगिता को कार्य योजना बनाकर खेल गतिविधियों करवाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही प्रतियोगिता के विजेताओं को दी जाने वाली शील्ड, मेडल, प्रोत्साहन राशि के सम्बन्ध में चर्चा किए। साथ ही खेल मैदानों को व्यवस्थित रखने, मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने और जिला-संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन हेतु आवासीय व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में रजत जयंती के तहत आयोजित की जा रही कार्यक्रमों का वितरण रजत जयंती के पोर्टल में अपलोड करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री हरिस ने शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली बच्चों के लिए आयोजित की जा रही आपार आईडी कैंप की जानकारी ली। साथ ही मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना की प्रगति, जाति प्रमाण पत्र निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए, तहसील व एसडीएम कार्यालय और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के जानकारी पर चर्चा किए। इसके अलावा प्रधानमंत्री सुर्यघर योजना की कार्य की प्रगति जनपदवार समीक्षा किए। जनपदों में सुर्यघर योजना के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैंक से भी योजना के लिए आवेदन प्राप्त होने पर ऋण की सुविधा हेतु जल्द निराकरण करवाएं साथ ही हितग्राहियों को योजना के लिए प्रोत्साहित भी करें।इसके अलावा रूरल तथा शहरी क्षेत्र भी लक्षित संख्या को भी बढ़ाएं। बैठक में रेत खदान घोषित करवाने के संबंध में चर्चा किए।

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति का जनपदवार समीक्षा की। स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन मनरेगा के कार्य मनरेगा अंतर्गत आबां भवन, उचित मूल्य की दुकान की प्रगति, खाद्य विभाग की खाद्यान्न भंडारण की स्थिति संग्रहण केंद्र से धान का उठाव की स्थिति, बारदानों की प्राप्ति, एग्री स्टैक में पंजीयन हेतु शेष किसानों की जानकारी पर चर्चा किए। कृषि से संबंधित अन्य विभागों के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति की समीक्षा किए। स्वास्थ्य विभाग से आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनाया सुनिश्चित करें। वाय वंदना कार्ड में भी कलस्टर बेस पर कार्य योजना बनाकर लक्ष्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने टीकाकरण की व्यवस्था पर टीकाकरण की रिकार्ड भी रखने के निर्देश दिए। टीबी उन्मूलन के कैम्पेन मोड पर सैम्पल कलेक्शन करवाएं। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बकावण्ड, बस्तर ब्लॉक पर ज्यादा फोकस करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को पोषण ट्रेकर एप एवं गर्म भोजन के वितरण की स्थिति की जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना अंतर्गत पंजीकृत एवं लाभान्वित हिग्राहियों को भुगतान की स्थिति का संज्ञान लिया। आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति संस्थाओं से लक्ष्य प्राप्त की पूर्ति को नवम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यो, कौशल विकास प्रशिक्षण में संचालित विभिन्न ट्रेड और पुर्नवास नीति के तहत मुख्य धारा से जुड़े व्यक्तियों के लिए आजीविका प्रशिक्षण की स्थिति व व्यवस्था पर चर्चा किए। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों से संबंधित समय-सीमा की प्रकरणों पर चर्चाकर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, ऋषिकेश तिवारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बस्तर ओलंपिक 2025

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत बुधवार को दरभा विकासखंड में कलस्टर स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया ।

विभागीय परीक्षा माह जनवरी 2026

अधिकारियों-कर्मचारियों से 22 दिसंबर तक आवेदन पत्र आमंत्रित

सुकमा, एजेंसी। राज्य शासन द्वारा उन अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए (जिनके लिए विभागों द्वारा विभागीय परीक्षा निर्धारित की गई हों) विभागीय परीक्षा माह जनवरी-2026 के तहत 27 जनवरी से 03 फरवरी 2020 तक विभागीय परीक्षा आयोजित किए जाने परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया गया है। उक्त निर्देश के परिप्रेक्ष्य में कमिश्नर बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह द्वारा सभी कलेक्टर्स को जारी परिपत्र में कहा गया है कि उपरोक्त विभागीय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए जिले के समस्त विभागों एवं कार्यालयों को सूचना प्रसारित किया जाए। इस विभागीय परीक्षा में बैठने के इच्छुक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विषयवार आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 22 दिसंबर 2025 तक नियत की गई है। निर्धारित तिथि तक प्राप्त आवेदनों को संकलित कर संलग्न प्रारूप में सूची तैयार कर 31 दिसंबर 2025 के पूर्व कार्यालय कमिश्नर बस्तर संभाग जगदलपुर को अनिवार्य रूप से प्रेषित किया जाए, ताकि विभागीय परीक्षा में बैठने हेतु इच्छुक अधिकारियों-कर्मचारियों के विषयवार प्रश्न-पत्रों की मांग राज्य शासन से किया जा सके। साथ ही परीक्षा आयोजन संबंधी आवश्यक तैयारी एवं व्यवस्था सुनिश्चित किया जा सके। निर्धारित तिथि के बाद अथवा विलंब से प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

एनएमडीसी सीएसआर अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

प्रशिक्षण पश्चात प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध

सुकमा, एजेंसी। जिला प्रशासन सुकमा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सभी जनजातीय युवाओं के हित में यह सूचित किया जाता है कि एनएमडीसी के नैगमिक सामाजिक दायित्व के अंतर्गत केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), हैदराबाद में 6 माह की अवधि का कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सुकमा जिले के युवाओं को तकनीकी दक्षता प्रदान कर रोज़गार के अवसरों से जोड़ना है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को उनके पाठ्यक्रम (कोर्स) के अनुरूप उद्योगों एवं निगमों में नियुक्ति (प्लेसमेंट) का अवसर प्रदान किया जाएगा।

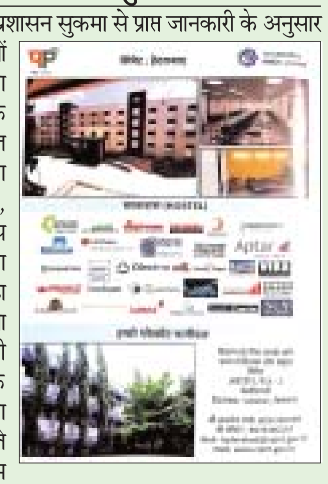

सिटी ग्राउंड में आयोजित होगा राज्योत्सव कार्यक्रम

जगदलपुर, एजेंसी। राज्य स्थापना दिवस 2025 के अवसर पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भव्य राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में राज्य के मंत्रीगण, सांसद तथा विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बस्तर में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

बस्तर जिले में 2-4 नवंबर को जिला मुख्यालय जगदलपुर के सिटी ग्राउण्ड में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 25 वर्ष राज्य के विकास यात्रा की थीम पर आधारित विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी के साथ ही स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य की प्रस्तुति सहित हस्तशिल्प प्रदर्शनी लगाए जाएंगे। राज्योत्सव कार्यक्रमों का आयोजन जनभागीदारी और पारंपरिक गौरव के साथ गरिमामय ढंग से किया जाएगा ताकि प्रदेश की संस्कृति, विकास और एकता का संदेश पूरे राज्य में प्रसारित हो सके।

राजनैतिक दलों को विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में दी गई जानकारी

जगदलपुर, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। आयोग द्वारा जारी पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार राज्य में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य 28 अक्टूबर, 2025 से प्रारंभ कर निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन 07 फरवरी, 2026 तक किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हरिस एस ने बुधवार को जिला कार्यालय के आस्था सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को इसके सम्बन्ध जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हरिस ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे पुनरीक्षण के दौरान अपने बूथ स्तरीय एजेंटों के माध्यम से निर्वाचन सम्बन्धी कर्मचारियों को पूरा सहयोग दें, ताकि छूटे हुए पात्र नागरिकों के नाम सूची में जोड़े जा सकें और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जा सकें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी ने बताया कि वर्तमान में राज्य में संपन्न कराये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जिले अंतर्गत मतदान केन्द्रों के लिये नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिकाध्दायित्व होगा। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक (Enumeration Form) उपलब्ध करायेगा एवं उनसे गणना पत्रक भरवाया कर वापस प्राप्त करने इत्यादि कार्यवाही की जाने की जानकारी दी। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों को पूरे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियों की भी जानकारी दी कि

1 मुद्रण-प्रशिक्षण कार्य
दिनांक 28.10.2025 से 03.11.2025 तक
2 घर घर गणना चरण अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य
दिनांक 04.11.2025 से 04.12.2025 तक
3 मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 09.12.2025
4 दावे और आपत्ति की अवधि
दिनांक 09.12.2025 से 08.01.2026 तक
5 नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन)
दिनांक 09.12.2025 से 31.01.2026
6 मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन
दिनांक 07.02.2026

कुएं में मिला महिला का शव :10 दिन से लापता थी, पैरों की चांदी की कड़ियां गायब

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के करमदी गांव में गुरुवार सुबह खेत में स्थित कुएं से एक महिला का शव मिला। शव को ग्रामीणों ने सुबह करीब 8:30 बजे देखा और पुलिस को सूचना दी। मृतका की पहचान 70 वर्षीय सीता बाई के रूप में हुई है। वे 10 दिन से घर से गायब थीं। पुलिस ने शव बाहर निकाले जाने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। शव गांव के चौकीदार बालू के खेत में स्थित कुएं में मिला। सुबह करीब 8:30 बजे चौकीदार के भाई मुकेश भूरिया अपने खेत में गए तो पानी में शव दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को जानकारी दी और घटना की सूचना माणकचौक थाना को दी गई। ग्रामीण राजेश पुरोहित ने बताया कि पिछले तीन दिन से लगातार बारिश हो रही थी,

इसलिए खेतों पर लोग नहीं जा पा रहे थे। गुरुवार सुबह मौसम खुलने पर खेत में जाने पर कुएं में महिला का शव नजर आया।

बेटी ने पहचाना, महिला 10 दिन से लापता थी: महिला के हाथों में चूड़ियां दिख रही थीं, लेकिन शुरुआती तौर पर पहचान नहीं हो पाई थी। मौके पर पहुंची माणकचौक पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ सुबह 10:30 बजे ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला। पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। कुएं में शव मिलने पर करमदी रोड पर भीड़ जुट गई। इस बीच मांगरोल निवासी शांति बाई अपने पति के साथ वहां रुकीं और शव के कपड़े देखकर अपनी मां की पहचान कर ली। शांति बाई ने बताया कि उनकी मां 10 दिन से घर से गायब थी और परिजन गुमशुदगी दर्ज नहीं कराए थे। मृतका का एक बेटा रमेश निनामा भी उन दिनों मां की तलाश में दूसरी गांवों में गया हुआ था।

पैरों में चांदी की कड़ियां गायब, लूट की संभावना पर जांच

बेटी ने बताया कि घर से निकलते समय मां ने पैरों में करीब एक किलो चांदी की कड़ियां पहन रखी थीं, जो शव निकालने के समय नहीं मिलीं। कुएं मुख्य मार्ग से लगभग 200 फीट अंदर खेतों के बीच है। चांदी की कड़ियां ना मिलने के कारण पुलिस लूट कर हत्या की संभावना पर भी गौर कर रही है।

पुलिस ने कहा- पीएम रिपोर्ट से कारण स्पष्ट होगा

माणकचौक पुलिस थाना प्रभारी पातीराम डावरे ने बताया कि शव डिकंपोज हो चुका है। थाना प्रभारी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर हर पहलू की जांच की जाएगी और हत्या, दुर्घटना या आत्महत्या सभी सम्भावनाओं पर तफ्तीश की जा रही है।

विधायक पति और क्रेशर मालिक धरने पर बैठे

खंडवा, एजेंसी। गुरुवार को क्रेशर संचालकों ने आरटीओ पर अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए जूनी इंदौर लाइन पर धर्मकांटे के पास चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन में विधायक पति मुकेश तनवे भी शामिल हुए। संचालकों का कहना है कि प्रत्येक डंपर पर 2-2 हजार रुपए की मांग की जा रही है। इस दौरान विधायक पति और आरटीओ अफसर के बीच जमकर बहस भी हुई। जिसके बाद आरटीओ ने एफआईआर कराने की धमकी दी। क्रेशर संचालक राकेश बंसल ने बताया कि शहर में रेत-गिट्टी के साथ नर्मदापुरम से आने वाले बालू रेत के डंपर भी चलते हैं। उनके मुताबिक नए आरटीओ दीपक मांझी ने वाहनों से अवैध वसूली शुरू कर दी है। उनसे हर डंपर के बदले प्रति माह दो हजार रुपए मांगे जा रहे हैं। राकेश बंसल ने कहा कि उन्होंने रुपए देने से मना किया तो उनके डंपरों को ओवरलोड बताकर चालान कर दिया गया। विरोध करने पर आरटीओ ने %शासकीय कार्य में बाधा% के केस की धमकी दी। इस बात से संचालकों में नाराजगी बढ़ गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में क्रेशर संचालक शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आरटीओ मनमानी कर रहे हैं और गुंडागर्दी जैसे हालात बना दिए हैं। धरने में विधायक पति मुकेश तनवे, क्रेशर संचालक राकेश बंसल, पूर्व महापौर सुभाष कोठारी के बेटे अंशुल कोठारी, शांतनु दीक्षित, विक्की श्रीमाली, भाजपा नेता लोकेंद्रसिंह गौड़, सतनामसिंह होरा समेत कई लोग मौजूद रहे।

सियार को कुएं से निकालने वन विभाग ने किया मना

अनूपपुर, एजेंसी। जिले के जैतहरी जनपद की ग्राम पंचायत वेंकटनगर के वार्ड नंबर 1 में एक सियार कुएं में गिर गया। यह घटना सुबह सुरेश सिंह नामक निवासी के कुएं में हुई, जिसके बाद उनके परिवार ने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग ने संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए कुएं में गिरे सियार को निकालने में असमर्थता जताई। इससे बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हुई।सूचना मिलने पर सर्पप्रहरी ऋषिराज सिंह, पुष्पराज और पूनम पाठक मौके पर पहुंचे। उन्होंने रस्सी में लकड़ी बांधकर करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सियार को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला।सियार को बाद में स्वतंत्र विचरण के लिए जंगल में छोड़ दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के कई ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे।

पारिवारिक विवाद में बेटे ने माता-पिता की सब्बल से हमला कर की हत्या

पुलिस को लाशों के पास बैठा मिला

गणेश सेन, मृतक

सागर, एजेंसी। एक युवक ने अपने माता-पिता की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी लाशों के पास ही बैठा रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वारदात देवरी थाना इलाके के धुलतरा गांव में बुधवार रात की है। पुलिस ने बताया कि गणेश सेन (55) अपनी पत्नी शांतिबाई सेन (52) के साथ टिकरिया चौराहे के पास रहते थे। रात में उनका अपने छोटे बेटे शिवराज सेन से पैसे मांगने पर विवाद हो गया। शिवराज ने सब्बल से हमला कर माता-पिता की हत्या कर दी। दंपती के चीखने की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। नजारा देखकर डायल 112 को फोन किया।

घर के बाहर सड़क पर पड़े मिले शव

देवरी एसडीओपी शशिकांत सरयाम ने बताया- डायल 112 पर हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। घर के बाहर सड़क पर दंपती के शव पड़े थे। जिन्हें पंचनामा बनाकर अस्पताल भेजा।

पिता से पैसे मांग रहा था शिवराज

टीआई गजेंद्र सिंह बुंदेला ने कहा- गणेश सेन के मकान का निर्माणकार्य चल रहा है। बुधवार रात शिवराज घर पहुंचा और पिता गणेश से पैसे मांगने लगा। उसने कहा कि वह मकान निर्माण में भी मदद करता है, लेकिन उसे पैसे नहीं दिए जा रहे हैं। इसी बात को लेकर पिता-पुत्र में कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर शिवराज ने पिता पर हमला कर दिया।

सड़क किनारे मृत मिला युवक, गाल पर चोट के निशान

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम के माखननगर में बुधवार सुबह एक युवक का शव सड़क किनारे मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के गाल पर चोट के निशान मिले हैं। सूचना मिलते ही माखननगर थाना प्रभारी मदन पवार, एसआई अशोक बरबड़े और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आशंका जताई है कि युवक की मौत हादसे में हुई होगी। जांच के लिए एफएसएल अधिकारी को भी बुलाया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही माखननगर थाना प्रभारी मदन पवार, एसआई अशोक बरबड़े और पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचे। संदिग्ध हालात को देखते हुए एफएसएल अधिकारी को भी बुलाया गया। दोपहर करीब 12 बजे एसडीओपी संजू चौहान और एफएसएल टीम ने मौके पर जांच की और साक्ष्य जुटाए।

एक दिन पहले सीसीटीवी फुटेज में नजर आया था

एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक के शराब पीने की जानकारी सामने आई है। मंगलवार शाम करीब 7-30 बजे सीसीटीवी फुटेज में वह हाथ में दूध का पैकेट लिए दिखाई दिया था। घटनास्थल के पास शराब की बोतल के कांच के टुकड़े भी मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि युवक गिरने से घायल हुआ होगा और गाल में कांच का टुकड़ा लगने से चोट आई होगी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद साफ होगी मौत की वजह: पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि यह हादसा है या कुछ और। हर एंगल से जांच की जा रही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पति-पत्नी के विवाद में चली गोली, देसी कट्टे से महिला के हाथ में मारी गोली

रायसेन, एजेंसी। जिले के सिलवानी में बुधवार देर रात पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी पर देसी कट्टे से फायर कर दिया। गोली पत्नी के बाएं हाथ में लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में सिविल अस्पताल सिलवानी से भोपाल एम्स रेफर किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, महिला की हालत खतरे से बाहर है। सिलवानी पुलिस ने आरोपी पति राजेश राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है और देसी कट्टा भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, सिलवानी के वार्ड 2 निवासी राजेश राजपूत (38) का बुधवार देर रात करीब 1 बजे अपनी पत्नी सुमन राजपूत से आपसी विवाद हो गया। विवाद के दौरान राजेश ने सुमन को गोली मार दी, जो उसके बाएं हाथ में लगी। गोली की आवाज सुनकर उनके किरायेदार जितेंद्र मेहरा मौके पर पहुंचे और घायल सुमन को सिविल अस्पताल सिलवानी पहुंचाया। सिविल अस्पताल सिलवानी में प्राथमिक उपचार के बाद सुमन को भोपाल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सिलवानी एसडीओपी अनिल मौर्य ने बताया कि पति-पत्नी के आपसी विवाद में यह घटना हुई है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने देसी कट्टा भी बरामद कर लिया है।

कुएं में मिला महिला का शव-बैतूल में मायके वालों ने पति पर हत्या के आरोप लगाए, एक दिन से लापता थी महिला

बैतूल, एजेंसी। बैतूल जिले के चिचोली थाना क्षेत्र के जीन गांव में गुरुवार सुबह एक 36 साल की विवाहिता का शव उसके घर के पीछे बने कुएं में मिला। मृतका की पहचान जीन बाजार मोहल्ला निवासी सोनल पति जितेंद्र (लड्डू) राठौर के रूप में हुई है। सोनल बुधवार से लापता थीं, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट उनके पति ने चिचोली थाने में दर्ज कराई थी। गुरुवार को स्थानीय लोगों ने कुएं में शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। चिचोली पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कुएं से बाहर

निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए चिचोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। मृतका के भाई दुर्गेश राठौर ने आरोप लगाया है कि उनकी बहन की हत्या उसके पति ने की है। उन्होंने बताया कि सोनल के चेहरे पर चोट के निशान थे और वह लंबे समय से ससुराल वालों की प्रताड़ना झेल रही थीं। दुर्गेश के अनुसार उनके जीजा सोनल को अक्सर पीटते थे और कुछ महीने पहले टाइफाइड होने पर भी इलाज नहीं करवाया, न ही उन्हें मायके आने दिया। मृतका की मामी ने भी ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सोनल के लापता होने के बाद ससुराल वालों ने उन्हें खोजने का कोई प्रयास नहीं किया। मायके पक्ष के लोग जब जीन पहुंचे और घर के पीछे कुएं में देखा, तब सोनल का शव पानी में तैरता मिला। वहीं, महिला के पति जितेंद्र राठौर ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह अचानक घर से लापता हो गई थीं। जितेंद्र ने कहा कि गुरुवार सुबह कुएं में शव दिखाई देने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का।

सीहोर जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं

नेत्र और ईएनटी विभाग सहायक के भरोसे, मरीज निजी अस्पताल जाने को मजबूर

सीहोर, एजेंसी। जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ और ईएनटी (नाक, कान, गला) विशेषज्ञ नहीं होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को या तो निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना पड़ रहा है या फिर भोपाल जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। नेत्र विभाग सहायक के भरोसे चल रहा है, जिससे सर्जरी बंद है, वहीं ईएनटी विभाग में भी विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों को नहीं देख पा रहे हैं। जिला अस्पताल का नेत्र विभाग लंबे समय से नेत्र चिकित्सा सहायक के भरोसे चल रहा है, जिसके कारण यहां आंखों की सर्जरी नहीं हो पाती है। इसी तरह, नाक, कान और गले के मरीजों को भी विशेषज्ञ उपचार नहीं मिल पा रहा है। जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल में वर्तमान में कोई स्थायी नेत्र रोग विशेषज्ञ और ईएनटी डॉक्टर पदस्थ नहीं है। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव अब ऋऋ्ह (आवासीय चिकित्सा अधिकारी) के पद पर हैं, जिसके कारण वे कार्यालयीन कार्यों में व्यस्त रहते हैं और मरीजों को समय नहीं

दे पाते हैं। वहीं, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. उमेश श्रीवास्तव सिविल सर्जन (CS) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

5 साल से ENT डॉक्टर नहीं, भोपाल जाने को मजबूर मरीज

विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को या तो निजी क्लीनिकों पर महंगा इलाज कराना पड़ता है, या फिर उन्हें उपचार के लिए सीहोर से लगभग 30 किलोमीटर दूर राजधानी भोपाल जाना पड़ता है। खासकर नाक, कान, गले के उपचार के लिए मरीज पिछले पांच साल से परेशान हो रहे हैं। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बजट खर्च कर रही है, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी से सरकारी अस्पतालों की स्थिति नहीं सुधर पा रही है।

सिविल सर्जन बोले- कमिश्नर ऑफिस को लिखा पत्र

इस सम्बंध में जिला अस्पताल सीहोर के सिविल सर्जन (सीएस) डॉ. उमेश श्रीवास्तव का कहना है कि, ईएनटी विभाग में विशेषज्ञ की पद स्थापना के लिए कमिश्नर कार्यालय में पत्र लिख चुके हैं। मैं भी नेत्र संबंधित मरीजों को देखता हूं। पत्राचार किया जा रहा है।

देजला देवड़ा बांध की नहरों में गाद-खरपतवार-आखिरी छोर तक पानी पहुंचना मुश्किल

खरगोन, एजेंसी। जिले में रबी की बुवाई की तैयारी शुरू हो गई है, लेकिन देजला देवड़ा बांध की नहरों में गाद और खरपतवार जमा होने से किसान चिंतित हैं। नहरों में 15 नवंबर तक पानी छोड़ा जाना है, पर किसानों को आशंका है कि गाद और खरपतवार के कारण इस साल पानी आखिरी छोर तक नहीं पहुंच पाएगा, जिससे बुवाई प्रभावित होगी। जल संसाधन विभाग ने सफाई का काम शुरू करने और समय पर पूरा करने का आश्वासन दिया है।

8 हजार किसानों की 9 हजार हेक्टेयर खेती निर्भर

कोठा बुजुर्ग, कोठा खुर्द और देवली के किसानों ने बताया कि माइनर 10 कमांड क्षेत्र में लगभग 8 हजार किसान हैं। इनकी करीब 9 हजार हेक्टेयर खेती नहर के पानी पर ही निर्भर है।

किसानों की चिंता- बुवाई का समय निकल जाएगा

देवली के किसान दशरथ राठौड़ ने कहा, माइनर 10 नहर की सफाई के लिए हर साल इंतजार करना पड़ता है। यदि गाद नहीं निकाली गई, तो पानी देर से आगे बढ़ेगा, जिससे चना और मक्का की बुवाई का उचित समय निकल

जाएगा। कोठा बुजुर्ग के किसानों ने भी माइनर नहर 9 की सफाई न होने पर चिंता जताई। उनका कहना है कि सफाई न होने पर अंतिम छोर तक पानी पहुंचने में दस दिन लग सकते हैं।

जिले में 3.80 लाख हेक्टेयर में रबी बुवाई का लक्ष्य

जिले में इस रबी सीजन में कुल 3.80 लाख हेक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा गया है। इसमें गेहूं 1.65 लाख हेक्टेयर, चना 1.56 लाख हेक्टेयर और मक्का 50 हजार हेक्टेयर शामिल है। जल संसाधन विभाग के डीआर कोचले ने बताया कि नहरों की सफाई का काम शुरू हो गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सीजन से पहले काम पूरा कर लिया जाएगा और किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

बस ड्राइवर को 1 साल की सजा : टक्कर मारने पर युवक की हुई थी मौत, कोर्ट ने 1000 रु. जुर्माना भी लगाया

बुरहानपुर, एजेंसी। लापरवाही से बस चलाने के कारण हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत के मामले में बस चालक को एक साल के सश्रम कारावास और 1000 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रवि वर्मा ने सुनाया है। आरोपी बस चालक सुनील पाटिल ने दरियापुर से सुखपुरी फाटे के पास बाइक सवार आशीष जोशी को सामने से टक्कर मार दी थी, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।यह घटना दरियापुर से सुखपुरी फाटे के पास हुई थी। फरियादी राजू उर्फ राजीव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके दोस्त ओमप्रकाश के साथ आते समय उन्होंने अपने परिचित आशीष जोशी को मोटरसाइकिल से जाते देखा। जैनाबाद फाटे के पास एक बस (क्रमांक के.ए 19.बी 8819) के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए आशीष की मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया था। टक्कर के कारण आशीष अपनी मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए। उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई और शरीर के विभिन्न हिस्सों से खून बहने लगा। राजू ने एम्बुलेंस 108 की मदद से आशीष को अस्पताल पहुंचाया। आशीष की गंभीर चोटों के कारण बुरहानपुर के ऑल इज वेल अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। फरियादी की शिकायत के आधार पर, शिकारपुरा थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई और मामले की विवेचना शुरू की गई।मामले की सुनवाई के बाद, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रवि वर्मा ने अभियुक्त सुनील पिता मंशाराम पाटिल (निवासी पीपलगांव) को दोषी पाया।

बेटे की हत्या के बाद पिता ने किया सुसाइड, छतरपुर में आम के पेड़ पर लगाई फांसी

छतरपुर, एजेंसी। जिले के सटई थाना क्षेत्र के कटारा गांव में एक व्यक्ति ने आम के पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रामकृपाल पाल के रूप में हुई है। दो दिन पहले ही उसके 25 वर्षीय बेटे नीलेश पाल की गर्दन पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस को बेटे की हत्या में पिता रामकृपाल पर ही संदेह था और उससे लगातार पूछताछ की जा रही थी।

खेत में आम के पेड़ से लटका मिला शव

जानकारी के अनुसार, बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात रामकृपाल पाल ने गांव के पास अपने खेत में एक आम के पेड़ से लटककर अपनी जान दे दी। सुबह जब लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सटई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है।

बेटे की 2 दिन पहले हुई थी हत्या

गौरतलब है कि 26 और 27 अक्टूबर की दरमियानी रात को रामकृपाल के बेटे नीलेश पाल की गांव के पास गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई थी। उसका शव सड़क किनारे फेंक दिया गया था। घटना की सूचना मिलने पर एफएसएल, डॉग स्क्वायड और साइबर टीम मौके पर पहुंची थी। नीलेश का पोस्टमार्टम सटई अस्पताल में कराया गया था।

पुलिस पिता से कर रही थी पूछताछ

नीलेश की हत्या के बाद से पुलिस लगातार मामले की जांच कर रही थी और उसके पिता रामकृपाल पाल से भी पूछताछ की जा रही थी। पुलिस का शक रामकृपाल पर ही गहरा रहा था।

पहले प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा था मामला

बेटे नीलेश की हत्या का मामला शुरुआत में प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा था। पिता रामकृपाल पाल ने खुद बेटे की हत्या का संदेह इमलिया गांव के बबलू महाराज पर जताया था। हालांकि, पुलिस की जांच की सुई रामकृपाल की ओर ही घूम रही थी।

थाना प्रभारी बोले- पिता पर था शक, जांच जारी

सटई थाना प्रभारी रूपनारायण पटेरिया ने बताया कि नीलेश की हत्या में उसके पिता रामकृपाल पर संदेह था और मामले की जांच जारी थी। उन्होंने पुष्टि की कि रामकृपाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। आत्महत्या का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

देर से चमका रोहित का करियर-35 की उम्र में कप्तान

38 के बाद नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बन, ओपनिंग ने बदली किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। डेब्यू के 18 साल और 276 वनडे बाद रोहित शर्मा वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज बन ही गए। 5 साल तक टीम में जगह फिक्स नहीं कर सके रोहित का करियर ओपनिंग शुरू करने के बाद पलटा। 35 की उम्र में कप्तानी मिली और 38 साल की उम्र में दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बन गए।

स्टोरी में जानिए रोहित शर्मा के करियर ने किस तरह करवटें बदलीं...

अंडर-19 वर्ल्ड कप से पहचान बनाई

2006 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया रविकांत शुक्ला की कप्तानी में खेलने उतरी। टीम फाइनल में पाकिस्तान से हार गई, लेकिन टूर्नामेंट ने चेतेश्वर पुजारा, रवींद्र जडेजा, पीयूष चावला और रोहित शर्मा जैसे भविष्य के सितारे भारत को दे दिए। पुजारा 349 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने।

रोहित टूर्नामेंट में भारत के तीसरे टॉप स्कोरर बने। उन्होंने 3 फिफ्टी लगाकर 202 रन बनाए। रोहित घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। इसी प्रदर्शन के दम पर 2007 में उन्हें वनडे डेब्यू का मौका मिल गया। उसी साल उन्होंने टी-20 डेब्यू भी किया और वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा बन गए।

5 साल तक वनडे टीम में अंदर-बाहर होते रहे

डेब्यू के बाद रोहित लगातार टीम से अंदर-बाहर होते रहे। उन्हें मिडिल ऑर्डर में बैटिंग का मौका मिल रहा था, जहां वे कुछ खास छाप नहीं छोड़ पाए। रोहित ने 2012 तक टी-20 वर्ल्ड कप तो सभी खेले, लेकिन 2009 की चैंपियंस ट्रॉफी और 2011 के वनडे वर्ल्ड कप में जगह नहीं बना सके।

2012 तक रोहित 86 मैचों में 30 के सामान्य औसत से करीब 2 हजार वनडे रन ही बना सके। भारत के लिए 2000 वनडे रन बनाने के लिए उनसे ज्यादा पारियां 2 ही खिलाड़ियों ने ली थी। इस दौरान टी-20 में जरूर उन्होंने 5 फिफ्टी लगा दी, लेकिन जिस करिश्मे की उम्मीद उनसे की जा रही थी, वो अब अब तक नजर नहीं आया था।

ओपनिंग पोजिशन ने बदली किस्मत

जनवरी 2013 में होमग्राउंड पर भारत ने इंग्लैंड से सीरीज खेली। टेस्ट सीरीज भारत ने गंवा दी, वहीं टी-20 सीरीज 1-1 से बराबर रही। इंग्लैंड ने वनडे सीरीज का पहला मैच जीत लिया। भारत ने दूसरे और तीसरे मैच को जीतकर सीरीज में वापसी कर ली। चौथे वनडे में भारत ने बड़ा बदलाव किया। रेगुलर ओपनर अजिंक्य रहाणे को हटाया और उनकी जगह रोहित को ओपनिंग करने का मौका दिया।

23 जनवरी 2013, मोहाली का मैदान और नंबर-1 वनडे टीम इंग्लैंड के सामने टीम इंडिया। सीरीज दांव पर और भारत नए ओपनर रोहित के साथ उतर आया। इंग्लैंड ने 257 रन बनाए। रोहित ने 93 गेंद पर 11 चौके और 1 छक्का लगाकर 83 रन बना दिए। उनकी पारी ने टीम को 258 रन के टारगेट तक पहुंचा दिया। भारत ने 5 विकेट से मुकाबला और सीरीज अपने नाम कर ली।

सीरीज के आखिरी वनडे में रोहित 4 रन ही बना सके, लेकिन चौथे वनडे में प्रदर्शन ने 4 महीने बाद होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी जगह फिक्स कर दी। रोहित ने यहां शिखर धवन के साथ ओपनिंग की और भारत को 5 में से 4 मैचों में मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने 2 फिफ्टी और 2 संेचुरी पार्टनरशिप की। रोहित ने 2 फिफ्टी लगाई और वे बस फाइनल में 10 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

5 साल में 3 दोहरे शतक लगाए

ओपनिंग पोजिशन को रोहित ने एक ही साल में अपना बना लिया। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत ने उसी साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली। आखिरी वनडे से पहले सीरीज 2-2 की बराबरी पर थी। 2 नवंबर को आखिरी मुकाबला हुआ। बेंगलुरु में पहले बैटिंग करने उतरी टीम को रोहित और धवन ने मजबूत शुरुआत दिलाई। धवन 60 रन बनाकर आउट हुए, उनके ठीक बाद सीरीज में 2 शतक लगा चुके विराट कोहली रन आउट हो गए। पूरी जिम्मेदारी रोहित पर आ गई।

2019 वर्ल्ड कप में 5 शतक लगाए

2019 के वनडे वर्ल्ड कप में रोहित का पीक फॉर्म आ गया। उन्होंने पारी की शुरुआत करते हुए 5 शतक लगा दिए। वे टूर्नामेंट में महज एक बार अपनी फिफ्टी को शतक में कन्वर्ट नहीं कर सके। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 57 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उनके सामने धवन ने सेंचुरी लगाकर टीम को जीत दिला दी।

विराट और बाबर ने नंबर-1 बनने से रोका

2013 से 2019 तक रोहित अपने पीक फॉर्म में रहे, लेकिन विराट कोहली के टॉप पोजिशन पर रहने के कारण रोहित नंबर-1 वनडे बैटर नहीं बन सके। इस दौरान उन्होंने अपनी करियर बेस्ट 882 रेटिंग भी हासिल की, लेकिन विराट 909 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रहे। विराट जब टॉप से हटे तो पाकिस्तान के बाबर आजम ने पहला स्थान संभाल लिया और रोहित का इंतजार बढ़ गया।

प्लेयर ऑफ द सीरीज के बाद नंबर-1 बने

19 फरवरी 2025 को भारत के ही शुभमन गिल ने बाबर को टॉप पोजिशन से हटा दिया। शुभमन 7 महीने तक नंबर-1 पर रहे और रोहित का इंतजार बढ़ाए रखा। तब शुभमन के 796 पॉइंट्स थे। चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन और रोहित दोनों ही टॉप स्कोरर रहे, इस कारण रैंकिंग के टॉप-3 पोजिशन में कायम भी रहे।करीब 7 महीने बाद भारत ने अब अक्टूबर में वनडे सीरीज खेली। शुभमन तीनों मुकाबलों में फ्लॉप रहे और सीरीज में 50 रन भी नहीं बना सके। दूसरी ओर, रोहित ने दूसरे वनडे में फिफ्टी और तीसरे में सेंचुरी लगा दी। 202 रन के प्रदर्शन ने उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज तो बनाया ही ढ्ढष्टष्ट की लेटेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 वनडे बल्लेबाज भी बना दिया। 38 साल, 182 दिन के रोहित सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जो 38 साल, 73 दिन की उम्र में नंबर-1 बैटर बने थे। रोहित अब 30 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे खेलते नजर आएंगे।

35 की उम्र के बाद कप्तान बने

रोहित का बैटिंग करियर जिस तरह 5 साल के इंतजार के बाद चमकना शुरू हुआ। उसी तरह उनका कप्तानी करियर भी 35 साल की उम्र के बाद शुरू हुआ। 2022 में विराट के बाद रोहित को तीनों फॉर्मेट की कप्तानी मिली। वनडे और टी-20 क्रिकेट में रोहित ने अपना बेस्ट दिया। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत सेमीफाइनल हार गया, जिसके बाद रोहित ने टीम का माइंडसेट बदलने की ठान ली। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ गया।

भारत को 11 साल बाद ICC टाइटल जिताया

19 नवंबर 2023 को भारत ने वनडे वर्ल्ड कप गंवाया था। 6 महीने बाद ही 20 टीमों के बीच टी-20 वर्ल्ड कप खेला गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने अजेय रहते हुए फिर एक बार फाइनल तक का सफर तय किया। टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रन के करीबी अंतर से हराया और 11 साल बाद ICC ट्रॉफी जीतने का सूखा खत्म कर लिया। भारत ने 17 साल बाद रोहित की कप्तानी में ही टी-20 वर्ल्ड कप जीता। रोहित ने बतौर खिलाड़ी अपना पहला इंटरनेशनल टाइटल भी टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में ही जीता था। रोहित ने 2025 में फिर भारत को चैंपियंस ट्रॉफी भी जिताई। वे टीम को 2 एशिया कप भी जिता चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में

इंग्लैंड को 125 रन से हराकर रचा इतिहास

गुवाहाटी, एजेंसी। एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में बुधवार को खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस तरह पहली बार दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की ऐतिहासिक शतकीय पारी

मैच में टॉस इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने 169 रन की पारी खेली, जो उनका वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला शतक है। वोल्वार्ड्ट ने ताजमिन ब्रित्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। हालांकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट (10 ओवर में 44 रन) लेकर कुछ हद तक वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

मारिजैन कैप की घातक गेंदबाजी, इंग्लैंड की पारी ध्वस्त: 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 01 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी।

कप्तान नताली सिवर-ब्रंट (64) और ऐलिस कैप्सी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी, लेकिन इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। कैप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 5 विकेट झटके। इंग्लैंड की पूरी टीम 42.3 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई।

हिसाब चुकता, इतिहास रचा

दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ इंग्लैंड से पुराने सभी हिसाब बराबर कर लिए। पिछले दो विश्व कप (2017 और 2022) के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को बाहर किया था। यहां तक कि मौजूदा टूर्नामेंट के लीग मैच में भी दक्षिण अफ्रीका 69 रन पर सिमट गया था। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, मारिजैन कैप की गेंदबाजी ने इस मैच को ऐतिहासिक बना दिया।

यूएफा की सुपर लीग अपील खारिज रियल मैड्रिड मांगेगा हर्जाना

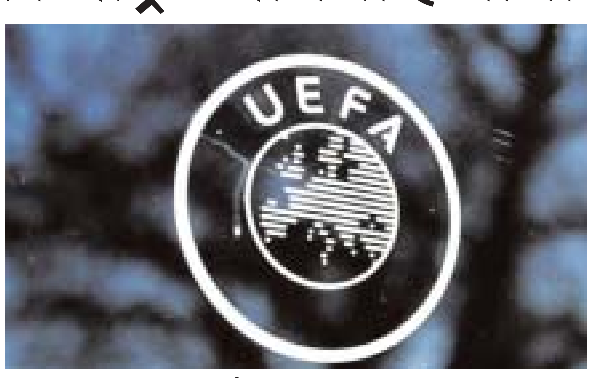

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोपियन फुटबॉल में एक बड़ी कानूनी लड़ाई के बीच स्पेन की राजधानी मैड्रिड की अदालत ने बुधवार को द यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) की सुपर लीग से जुड़ी अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद रियल मैड्रिड क्लब ने यूएफा से बड़े पैमाने पर मुआवजे की मांग करने की घोषणा की है।

दरअसल, साल 2021 में यूरोप के 12 शीर्ष क्लबों – जिनमें रियल मैड्रिड और बार्सिलोना शामिल थे – ने मिलकर सुपर लीग बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि इंग्लिश क्लबों के प्रशंसकों के तीव्र विरोध और यूएफा व फीफा की धमकियों के कारण यह परियोजना कुछ ही दिनों में ध्वस्त हो गई।

दिसंबर 2023 में यूरोपीय न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि सुपर लीग पर लगाया गया प्रतिबंध यूरोपीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद एक स्पेनिश जज ने भी कहा था कि यूएफा और फीफा ने सुपर लीग का विरोध करके मुक्त प्रतिस्पर्धा को बाधित किया और अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया।

अब मैड्रिड की अदालत ने यूएफा के साथ-साथ ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन द्वारा दायर की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत के फैसले का दायरा सीमित माना जा रहा है क्योंकि संबंधित नियम इस बीच पूरी तरह से बदल दिए गए हैं।

रियल मैड्रिड ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, यह फैसला पुष्टि करता है कि सुपर लीग मामले में यूएफा ने यूरोपीय संघ के मुक्त प्रतिस्पर्धा के नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है।

क्लब ने आगे कहा कि वह विश्व फुटबॉल और प्रशंसकों के हित में काम करना जारी रखेगा, साथ ही यूईएफए से पर्याप्त हर्जाना भी मांगेगा।

पीकेएल सीजन 12 का खिताबी फैसला कल

दबंग दिल्ली के.सी. के सामने होगी पुनेरी पलटन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 का ग्रैंड फिनाले शुक्रवार को दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दबंग दिल्ली के.सी. और पुनेरी पलटन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला न सिर्फ खिताब का फैसला करेगा, बल्कि पूरे सीजन की सबसे स्थिर और अनुशासित टीमों के बीच अंतिम जंग भी होगी।

दबंग दिल्ली, जिसने सीजन 8 में खिताब जीता था, इस बार भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची है। क्वालिफायर-1 में दिल्ली ने पुनेरी पलटन को रोमांचक 6-4 टाईब्रेकर में हराया था, जब निर्धारित समय में स्कोर 34-34 से बराबर रहा। कप्तान आशु मलिक की अगुवाई में और कोच जोगिंदर नरवाल की रणनीति के तहत टीम ने हर मुश्किल परिस्थिति में संघर्ष और संयम दिखाया है।

वहीं पुनेरी पलटन ने क्वालिफायर-2 में तेलुगू टाइटंस को हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। कप्तान अस्लम इनामदार और कोच अजय ठाकुर के नेतृत्व में पलटन ने इस सीजन में सबसे संतुलित टीम के रूप में पहचान बनाई है। उनकी मजबूत रक्षा और युवा रेडर्स की जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाला।

दिल्ली और पुणे के बीच इस सीजन तीन बार भिड़ंत हो चुकी है, और सभी तीनों मुकाबले टाई पर खत्म हुए हैं – जो इस बात का सबूत है कि दोनों टीमें एक-दूसरे की बराबरी की हैं। दिल्ली जहां आशु मलिक की तेज़ रेडिंग पर निर्भर रही है, वहीं पुणे की ताकत उनके अनुशासित डिफेंडरों और टीमवर्क में झलकती है।

घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा दिल्ली को जरूर मिलेगा। उनके अनुभवी खिलाड़ी जैसे फज़ल अत्राचली, सौरभ नंदल और आशु मलिक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। टीम का डिफेंस हर मैच के साथ मजबूत हुआ है और करीबी मुकाबलों में उनकी जीत दर्ज करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है।

दूसरी ओर, पुनेरी पलटन पिछले सीजन की हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। युवा रेडर आदित्य शिंदे और अस्लम इनामदार ने आक्रामक खेल दिखाया है, जबकि डिफेंस यूनिट ने सामूहिक प्रदर्शन से टीम को यहां तक पहुंचाया है।

दबंग दिल्ली के कोच जोगिंदर नरवाल ने कहा, मैं अपनी टीम पर बेहद गर्व महसूस करता हूं। हमने साथ मिलकर यह सफर तय किया है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। खिलाड़ियों ने हर परिस्थिति में एकजुट रहकर लड़ा है, और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

वहीं पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, हमारी सफलता की नींव एकता और अनुशासन पर टिकी है। एक चैंपियन टीम एक दिन में नहीं बनती, इसमें समय, भरोसा और मेहनत लगती है। मुझे इस टीम पर गर्व है क्योंकि इन खिलाड़ियों का एक-दूसरे के प्रति सम्मान उनके खेल में झलकता है।

फाइनल मुकाबला एक बार फिर बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। दोनों टीमें रणनीति, संतुलन और आत्मविश्वास में बराबर हैं। अब देखना यह होगा कि निर्णायक क्षणों में कौन अपनी नसों पर काबू रखता है और पीकेएल सीजन 12 की ट्रॉफी अपने नाम करता है।

लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी, सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। इंटर मियामी के आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के सबसे अधिक वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) के नए स्टार सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी ताज़ा वेतन सूची में सामने आई।

मेसी को इंटर मियामी से सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) की गारंटीशुदा राशि मिलती है, जो बाकी खिलाड़ियों से काफी अधिक है। इस राशि में उनके स्पॉन्सरशिप और अन्य करारों से होने वाली आमदनी शामिल नहीं है।

2023 के मध्य में मियामी से जुड़ने वाले अर्जेंटीनी स्टार का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे अगले साल से तीन साल के नए करार की शुरुआत करेंगे। इस विस्तार के वित्तीय विवरण अभी सामने नहीं आए हैं।38 वर्षीय मेसी को हाल ही में रेगुलर सीज़न का टॉप स्कोरर घोषित किया गया, जहां उन्होंने 28 मैचों में 29 गोल दागे। वे इस बार भी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया के सोन ह्युंग-मिन को एलएएफसी से सालाना 11.1 मिलियन डॉलर का वेतन मिलता है।

टोटनहम हॉटस्पर के पूर्व कप्तान सोन इस साल अगस्त में एमएलएस इतिहास के सबसे महंगे ट्रांसफर (26 मिलियन डॉलर) के तहत अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए अपनी टीम को प्लेऑफ़ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

तीसरे स्थान पर इंटर मियामी के ही स्पेनिश मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीज़न के अंत में संन्यास लेंगे।

वहीं, पराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) चौथे और मेक्सिको के हिर्विंग चक्की लोज़ानो (7.6 मिलियन डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं। दोनों ने इस सीज़न क्रमशः अटलांटा यूनाइटेड और सैन डिएगो एफसी के साथ करार किए हैं।

क्रिकेट के मैदान पर दुखद हादसा

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। 17 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की एक हादसे में मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, बेन मंगलवा[र को आ]पने [क्लब के] नेट्स में एक ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन के सामने बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी। हादसे के बाद उन्हें तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां बुधवार को उनका निधन हो गया। फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, %हम बेन के निधन से पूरी तरह तबाह हैं। उनके जाने का असर हमारी पूरी क्रिकेट कम्युनिटी पर गहराई से महसूस किया जाएगा।% क्लब ने बेन को एक स्टार क्रिकेटर, शानदार लीडर और बेहतरीन इंसान बताया। वे टीम के उभरते हुए गेंदबाज और बल्लेबाज थे, जिनसे भविष्य में बड़ी उम्मीदें थीं।बेन की मौत ने क्रिकेट जगत को एक बार फिर फिलिप ह्यूज की दर्दनाक मौत की याद दिला दी है।

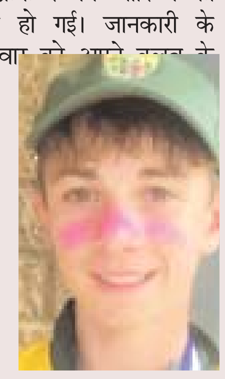

पेरिस मास्टर्स -ज़्वेरेव तीसरे दौर में, वाशेरो ने आर्थर रिंदरनेक को फिर हराया

पेरिस, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन अलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव ने पेरिस मास्टर्स में कठिन शुरुआत के बावजूद बुधवार को तीसरे दौर में जगह बना ली। जर्मन स्टार ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कराबेली को 6-7 (5-7), 6-1, 7-5 से मात दी।

पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बाद ज़्वेरेव ने दूसरा सेट सिर्फ़ 35 मिनट में अपने नाम किया। निर्णायक सेट में जब वह 1-3 से पिछड़ गए थे, तब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्कराज की तरह एक और शीर्ष वरीय खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। लेकिन ज़्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए 5-5 पर निर्णायक ब्रेक हासिल किया और जीत पक्की की।

अब ज़्वेरेव तीसरे दौर में स्पेन के 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना या फ्रांस के आर्थर काज़ो से भिड़ेंगे।दिन के पहले मुकाबले में नॉर्वे के आठवीं वरीय कैस्पर रूड को जर्मनी के डैनियल आल्टमायर ने 6-3, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

रूस के पूर्व नंबर एक दानिल मेदवेदेव को बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव के कंधे की चोट के चलते वॉकओवर मिला और वे सीधे तीसरे दौर में पहुँच गए। विंबलडन में जैनिक सिनर के खिलाफ दो सेट की बढ़त के बाद रिटायर होने के बाद से दिमित्रोव की यह वापसी रही, लेकिन उनकी फिटनेस फिर जवाब दे गई।

दिन की शुरुआत दो कज़िन खिलाड़ियों मोनाको के वैलेंटिन वाशेरो और फ्रांस के आर्थर रिंदरनेक के बीच मुकाबले से हुई। शंघाई मास्टर्स फाइनल की तरह ही इस बार भी वाशेरो ने तीन सेटों में जीत दर्ज की।कनाडा के नौवीं वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने भी रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने फ्रांस के एलेक्ज़ांद्र मुलर को 5-7, 7-6 (7-5), 7-6 (7-4) से हराते हुए एटीपी फ़ाइनल्स की दौड़ में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑटो चालक की हत्या के 4 आरोपी गिरफ्तार, लूट के इरादे से किया था हमला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस ने ऑटो चालक प्रलयंकार त्रिपाठी की हत्या और उसके भाई व दोस्त को घायल करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 27 अक्टूबर की रात कोलगवां थाना क्षेत्र के आईटीआई बसोर बस्ती के पास हुई थी। आरोपियों ने लूट के इरादे से चाकू से हमला किया था, जिसमें ऑटो चालक की मौत हो गई थी। पुलिस ने बुधवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बताया कि 27 अक्टूबर की रात लगभग 11 बजे, प्रलयंकार त्रिपाठी (24, निवासी रक्सी, बांदा), अपने छोटे भाई मयंकार त्रिपाठी (22) और दोस्त शोभित पांडेय के साथ नईबस्ती से सवारी छोड़कर अपने ऑटो से घर लौट रहे थे। आईटीआई बसोर बस्ती के पास प्रलयंकार ऑटो खड़ा कर किसी से मिलने गए थे।

खून से लथपथ लौटे, पीछे दौड़ रहे थे हमलावर: कुछ मिनट बाद प्रलयंकार खून से लथपथ हालत में वापस लौटे। उनके पीछे कई लोग चाकू और छूरा लेकर दौड़ रहे थे। मयंकार और शोभित ने बीच-बचाव का प्रयास किया, तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस हमले में तीनों युवक घायल हो गए। प्रलयंकार की हालत गंभीर थी।

अस्पताल पहुंचने से पहले मौत, नकदी भी लूटी: घायल मयंकार किसी तरह गंभीर रूप से घायल प्रलयंकार को ऑटो से थाने ले गए, जहां से पुलिसकर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही प्रलयंकार की मौत हो चुकी थी। हमलावरों ने तीनों युवकों से नकदी भी लूट ली थी।

पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार: पुलिस ने हत्या और जानलेवा हमले का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। सभी संभावित माध्यमों से हमलावरों की पहचान की गई। बुधवार को पुलिस ने आईटीआई बसोर बस्ती से आरोपी विष्णु वंशकार (22), सोनू उर्फ महेश बंसल (18), अंशू उर्फ विवेक वंशकार (21) और मनी वंशकार (20) को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में कबूला जुर्म, भेजे गए जेल: पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने लूट के इरादे से हमला करने और चाकू मारकर हत्या करने का जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

नागौद में 11 दवा दुकानों की जांच, एक सील

फार्मासिस्ट नहीं मिलने पर कार्रवाई, 3 सिरप के सैंपल लिए; बंद हुईं कई दुकानें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागौद में बुधवार को ड्रग इंस्पेक्टर (डीआई) प्रियंका चौबे ने बिना फार्मासिस्ट के संचालित हो रहे मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंने कुल 11 दवा दुकानों का निरीक्षण किया, जिसमें फार्मासिस्ट न मिलने पर एक दुकान को सील कर दिया गया। डीआई की इस दबिश के दौरान कई दुकानें बंद पाई गईं। डीआई ने बच्चों के कफ सिरप के साथ वयस्कों के कोल्ड कफ सिरप के 3 अलग-अलग नमूने भी लिए। इन नमूनों को परीक्षण के लिए भोपाल लैब भेजा जाएगा। इसके अलावा, बंद मिली दुकानों को भी वजह जानने के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

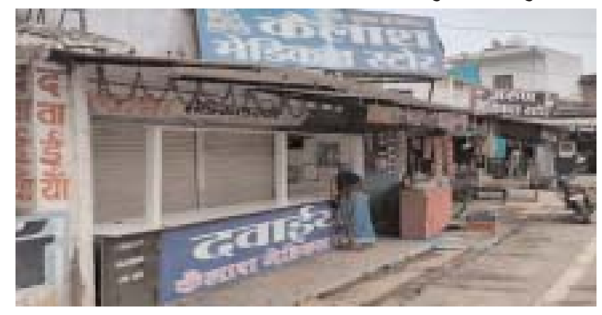

खबर मिलते ही बंद हो गए स्टोर: बुधवार सुबह 11 बजे ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे के नागौद पहुंचने की खबर फैलते ही ज्यादातर मेडिकल स्टोर्स बंद हो गए। जो दुकानें खुली मिलीं, उनका औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 और नियमावली 1945 के तहत निरीक्षण किया गया।

11 दुकानों का किया निरीक्षण: डीआई ने नागौद में साई मेडिकल स्टोर, प्रार्थना मेडिकल स्टोर, रजत गिरी मेडिकल स्टोर, रवि मेडिकल स्टोर, नारायणी मेडिकल स्टोर, सुशील मेडिकल स्टोर, धन्य कुमार सुधीर कुमार अग्रवाल मेडिकल स्टोर, हर्ष मेडिकल स्टोर, गोविंद मेडिकल स्टोर और विंध्य मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। इसके अलावा सिंहपुर की पीयूष मेडिकल स्टोर की भी जांच की गई।

विंध्य मेडिकल स्टोर हुआ सील: इन सभी में से, विंध्य मेडिकल स्टोर प्रोप्राइटर और फार्मासिस्ट के बिना संचालित पाया गया। जिसे मौके पर स्टॉप फॉर सेल का आदेश देकर सील कर दिया गया।

बच्चों के कफ सिरप का भी लिया नमूना: औषधि निरीक्षक प्रियंका चौबे ने बच्चों के लिए इस्तेमाल होने वाले कफ सिरप और एंटीबायोटिक सिरप के साथ-साथ वयस्कों के कोल्ड कफ सिरप के नमूने लिए। इन नमूनों को जांच के लिए औषधि परीक्षण लैब भोपाल भेजा जाएगा।

बंद दुकानों को भेजा जाएगा नोटिस: डीआई ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बंद पाई गई सभी दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

आईजी के निर्देशन में अभियान ऑपरेशन प्रहार 2.0 अंतर्गत पुलिस की दूसरी बड़ी कार्यवाही, 1.550 किग्रा गांजा सहित अवैध गांजा तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देशन में रीवा जोन से अवैध मादक पदार्थों की खरीदी-बिक्री को जड़ से मिटाने हेतु वृहद स्तर पर ऑपरेशन प्रहार 2.0 चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा इस अभियान को सफल बनाने में बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में, मैहर जिले की ताला पुलिस ने कल देर रात मुकुन्दपुर रोड में रेड कार्यवाही करते हुए गांजा तस्कर के कब्जे से 1.550 किग्रा गांजा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण: दिनांक 29.10.25 को थाना ताला पुलिस को ग्राम मुकुन्दपुर रोड पर हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति द्वारा अवैध गांजा बिक्री करने की सूचना प्राप्त हुई। इस पर तत्काल थाना ताला पुलिस ने रेड कार्यवाही की। संदेही गोरेलाल पाण्डेय उर्फ मामा, पिता रामभगत पाण्डेय, उम्र 58 वर्ष, निवासी ग्राम मुकुन्दपुर की तलाशी लेने पर उसके पास 1.550 किलोग्राम गांजा पाया गया।

आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 312/25 धारा 8, 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया और माननीय विशेष न्यायालय (एनडीपीएस) सतना में पेश किया गया।

गौरतलब है कि आरोपी गोरेलाल के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस के दो अपराध पंजीबद्ध हैं।

नाबालिग को गुजरात ले जाकर 2 महीने तक किया रेप, सतना से अगवा कर ले गया था धार का युवक; आरोपी को जेल भेजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना से अगवा की गई एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने गुजरात से बरामद कर लिया है। आरोपी ने नाबालिग को दो महीने तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया। सिटी कोतवाली पुलिस ने इस मामले में धार जिले के रहने वाले 21 वर्षीय आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, नाबालिग को छुड़ाकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

4 सितंबर को भाई को स्कूल छोड़ने गई थी: यह मामला 4 सितंबर को सामने आया था, जब नाबालिग अपने छोटे भाई को स्कूल छोड़ने के बाद घर नहीं लौटी थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन जब वह नहीं मिली तो उन्होंने सिटी कोतवाली थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की।

2 महीने चली तलाश, गुजरात में मिली लोकेशन: पुलिस की यह गहन खोजबीन दो महीने तक चली। इस दौरान साइबर सेल और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर टीआई रावेन्द्र द्विवेदी ने एएसआई नरेन्द्र सिंह गहरवार के नेतृत्व में एक टीम गठित की। इस टीम को नाबालिग को सुरक्षित वापस लाने का जिम्मा सौंपा गया था।

धार का रहने वाला है आरोपी, भरूच से गिरफ्तार: पुलिस टीम ने इंदौर, खरगोन और अलीराजपुर सहित विभिन्न जिलों में दबिश दी। कड़ियों को जोड़ते हुए टीम अंततः गुजरात के भरूच जिले के एक गांव तक पहुंची, जहां से नाबालिग को बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से ही आरोपी करण कन्नौज (21 वर्ष), निवासी अतरसुआ, जिला धार, को गिरफ्तार कर लिया।

रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ीं, आरोपी जेल भेजा: पुलिस टीम पीड़िता और आरोपी को सतना वापस ले आई। यहां नाबालिग के बयान के आधार पर आरोपी करण के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई गईं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक सतेन्द्र सिंह ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंवले वृक्ष के नीचे पूजा अर्चना कर मनाई इच्छा नवमीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अग्रवाल समाज की कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी, प्रभु श्री राम की 34 वीं पीढ़ी के वंशज, समाजवाद के प्रणेता एवं अग्रकुल के आराध्य श्री श्री 1008 श्री महाराजा अग्रसेन जी एवं माता माधवी जी के आशीर्वाद से कार्तिक मास की नवमीं में गुरुवार, 30 अक्टूबर को श्री अग्रसेन धाम, बूटीबाई अग्रवाल विद्या सदन परिसर में इच्छा नवमीं का सामूहिक आयोजन किया गया।

समाज के प्रवक्ता सौरभ अग्रवाल (रम्पू) ने बताया कि मण्डल अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं महामंत्री राम अग्रवाल, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, अग्रसेन क्लब से सुमित अग्रवाल (सोमू) (अध्यक्ष) और अनिल अग्रवाल (वैष्णो भोजनालय) के साथ समाज की मातृशक्तियों ने सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी के मंदिर में पूजा अर्चना कर भोग अर्पण किया।

इसके बाद आंवला वृक्ष के नीचे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसमें खिचड़ी प्रसाद, बूंदी और नमकीन का वितरण किया गया। मातृशक्ति ने अपने-अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर लाए, और समाज के सभी वर्गों ने एक साथ मिलकर स्वल्पाहार का सामूहिक आनंद लिया। इस कार्यक्रम में समाज के सभी बंधु, मातृशक्ति एवं युवा पीढ़ी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संपूर्ण कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में अग्रवाल नवयुवक मण्डल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य, अग्रवाल महिला मण्डल की पदाधिकारी, अग्रसेन क्लब के युवा साथी, बूटीबाई अग्रवाल विद्या सदन के पदाधिकारी, मंदिर समिति के सभी सदस्य, अग्र अन्नपूर्णा समिति के सदस्य और अन्य अग्रबंधु, मातृशक्तियां एवं बच्चे उपस्थित रहे।

महाराजपुर में जंगली सुअर का शिकार करने वाले फरार आरोपी को वन अमले ने गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वन परिक्षेत्र उंचेहरा अंतर्गत महाराजपुर के जंगल में शिकारियों द्वारा जंगली सुअर का शिकार किया गया था। इस मामले की शिकायत पर वन अमले के द्वारा अपराध क्रमांक 133-13/24 के तहत वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

इस मामले में कुछ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अन्य आरोपियों में भाई लाल कोल, पिता सुंदर लाल कोल, उम्र 63 वर्ष, फरार था।

गुरुवार की दोपहर, वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन नामदेव की अगुवाई में वन कर्मियों ने इस फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद तुरंत न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वन अमले की यह कार्रवाई जंगली जानवरों के संरक्षण और शिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह घटना यह दर्शाती है कि वन विभाग अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से ले रहा है और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आगामी 1 नवम्बर को स्थानीय कृष्ण नगर सरस्वती विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इसी संदर्भ में आज कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, कलेक्टर सतीश कुमार एस., पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, तथा नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीणा सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं विद्यालय प्रशासन के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सभी अधिकारियों ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किया जाए। भारतीय थल सेना प्रमुख का सतना की पावन धरती पर आगमन समूचे विंध्य क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण अवसर एवं अत्यंत हर्ष का विषय है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति से न केवल स्थानीय नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि यह कार्यक्रम क्षेत्र में सुरक्षा और शांति के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी देगा।

स्थानीय विश्राम गृह में वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बैठक में आयोजित होने वाले यूनिटी मार्च के रूट, यातायात एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस मार्च में बड़ी संख्या में देशभक्त नागरिक सहभागी बनकर देश की एकता और अखंडता के शिल्पी सरदार पटेल को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। यूनिटी मार्च का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे जिला अस्पताल परिसर से होगा। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने मार्च की सफलता के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।

बैठक में सतना सांसद माननीय गणेश सिंह, महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती पांडे, कलेक्टर सतीश कुमार एस., पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, नगर निगम कमिश्नर शेर सिंह मीणा, एडीएम विकास सिंह, डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे, वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो. क्रांति मिश्रा, तथा भाजपा जिला मंत्री शुभम तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने एकजुटता और सहयोग की भावना के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

खेती को आधुनिक बनाने में किसानों को सहयोग करें : कमिश्नर

खाद वितरण में अव्यवस्था होने पर कठोर कार्यवाही के लिए तैयार रहें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कृषि आदान की जिलेवार समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि कृषि संभाग और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार है। किसानों की स्थिति में सुधार होने से पूरे संभाग में आर्थिक विकास होगा। कृषि अधिकारी खेती को आधुनिक बनाने में किसानों को उचित मार्गदर्शन और सहयोग करें। क्षेत्र का नियमित रूप से भ्रमण करके विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें। किसानों को श्रीअन्न की खेती और व्यावसायिक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। अभी से गांव-गांव जाकर किसानों को उचित नरवाई प्रबंधन के लिए जागरूक करें। नरवाई जलाना दण्डनीय अपराध है। नरवाई जलाने वाले किसानों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। किसानों को रोटावेटर, हैप्पीसीडर तथा सुपर सीडर के माध्यम से नरवाई प्रबंधन के लिए प्रेरित करें।

कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में खाद की रैक लगातार प्राप्त हो रही है। मार्कफेड के डबल लॉक सेंटर, समितियों तथा निजी विक्रेताओं से खाद के वितरण पर कड़ी निगरानी रखें। डबल लॉक सेंटर में कृषि विभाग तथा अन्य विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर खाद का वितरण कराएं। किसानों को सही तरीके से टोकन देकर खाद वितरित करें जिससे किसानों को लाइन में न लगना पड़े। जिले में खाद की रैक प्राप्त होने की प्रतिदिन सूचना जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। खाद के वितरण में अव्यवस्था होने पर उत्तरदायी अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि मौसम साफ होते ही किसान आगामी फसल की बुवाई शुरू कर देगा। उन्नत बीजों का तत्काल वितरण कराएं। असमय वर्षा से यदि कहीं फसलों को नुकसान हुआ तो उसका सर्वे कराएं।

कमिश्नर ने विभाग के तहत संचालित कृषि फार्मों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिलों में कृषि फार्मों की स्थिति दयनीय है। संयुक्त संचालक कृषि आगामी फसल के लिए पूरी कार्ययोजना तैयार कर सभी कृषि फार्मों में उपलब्ध शत-प्रतिशत भूमि पर फसलों की बुवाई कराएं। फार्मों के प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात करें। फार्मों से तैयार बीज की गुणवत्ता की निगरानी करें। सभी फार्मों में फसलों की उत्पादकता संभाग की औसत उत्पादकता से अधिक होना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने संयुक्त आयुक्त को संभाग के सभी कृषि फार्मों की जाँच करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि यंत्रों के वितरण, जैविक खेती, उद्यानिकी फसलों, धान तथा कोदौ उपार्जन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संभागीय कृषि मेले में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से किसानों को हितलाभ का वितरण कराएं। बैठक में संयुक्त संचालक कृषि मनोज कश्यप ने संभाग के सभी जिलों में फसलों की स्थिति, खाद बीज के वितरण तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, सहायक संचालक प्रीति द्विवेदी, उप संचालक कृषि रीवा यूपी बागरी, सतना आशीष पाण्डेय, सीधी आरएस बागरी, सिंगरौली अनुज सिंह, संभागीय प्रबंधक मार्कफेड नेहा पीयूष तिवारी, जिला प्रबंधक शिखा सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

1 नवंबर को रक्तवीर करेंगे रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर शहीद संत कंवर राम साहिब के बलिदान दिवस पर समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति, संत कंवर राम दरबार एवं रामलला संगठन द्वारा 1 नवंबर शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इस शिविर का आयोजन साईं किशोरलाल के सानिध्य एवं शुभ आशीर्वाद में होगा। इस अवसर पर राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, डॉ. मनोज शुक्ला (सिविल सर्जन जिला अस्पताल), सुधीर जैन (पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायंस क्लब), दीपक चुगवानी (डायरेक्टर, डी पी सी), श्रीचंद मनवानी, गोपी गेलानी (अध्यक्ष लोक निर्माण विभाग नगर पालिका निगम), मनोहर डिगवानी, मनीष टेकवानी (पार्षद) एवं संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी, महामंत्री घनश्याम मंघरानी, रोहित मोडिया, सुमित सेवानी की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।